दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, मंगलवार, 31 मार्च 2026 | वर्ष : 01, अंक : 115, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

शाह लाल आतंक पर : आदिवासियों की आवाज अब संसद तक

'विकास की कमी का फायदा उठाकर हथियार थमाए गए'

नई दिल्ली ● एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि भारत नक्सल-मुक्त हो गया है, ऐसा हम कह सकते हैं। अपनी डेढ़ घंटे स्पीच के दौरान शाह ने कहा- हमने 31 मार्च तक देश को नक्सल-मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था। मैं पूरी व्यवस्था होने के बाद देश को भी सूचित करूंगा।

शाह ने कहा- जो लोग पूरी व्यवस्था को नकार कर हथियार उठा लेते हैं, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। सालों से भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा गया। वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए आदिवासियों को बहकाया।शाह ने कहा- कांग्रेस ने 60 साल के दौरान आदिवासियों तक घर, स्कूल, मोबाइल टॉवर नहीं पहुंचने दिया और अब हिसाब मांग रहे हैं। अपने गिरेबान में झांककर देखिए। आदिवासी इलाकों में गरीबी के कारण नक्सलवाद नहीं फैला बल्कि नक्सलवाद के कारण सालों तक गरीबी रही। नक्सलवाद की जड़ें वैचारिक हैं। यह गरीबी और विकास से जुड़ी नहीं हैं।

संसद में आज नक्सलवाद पर चर्चा सरकार की तरफ से दी गई डेडलाइन खत्म होने से एक दिन पहले हुई। शाह कई बार 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म करने की घोषणा कर चुके हैं।

बस्तर से नक्सलवाद लगभग पूरी तरह खत्म हो चुका है। हर एक गांव में स्कूल खोलने के लिए अभियान चलाया गया। हर गांव में राशन की दुकान, हर तहसील और पंचायत में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) स्थापित किए गए हैं। लोगों को आधार कार्ड और राशन कार्ड जारी किए गए हैं। उन्हें पांच किलोग्राम अनाज मिल रहा है। जो नक्सलवाद की वकालत कर रहे थे, उनसे पूछना चाहता हूं कि आदिवासियों के पास अब तक विकास क्यों नहीं पहुंचा। बस्तर के लोग इसलिए पीछे रह गए, क्योंकि इस क्षेत्र पर 'लाल आतंक' का साया मंडरा रहा था। आज वह साया हट गया है और बस्तर अब विकास के पथ पर अग्रसर है।

कुछ लोगों की मानवता सिर्फ हथियार उठाने वालों के लिए

मैं उन 'अर्बन नक्सलियों' से एक सवाल पूछना चाहता हूं, जो इन लोगों के समर्थन में सामने आए हैं। वे कहते हैं कि नक्सली न्याय के लिए लड़ रहे हैं, इसलिए उन्हें मारा नहीं जाना चाहिए। उनसे सहानुभूति रखनी चाहिए। ऐसा लगता है कि आपकी मानवता सिर्फ संविधान का उल्लंघन करने वालों और हथियार उठाने वालों के लिए हैं। यह उन आम नागरिकों तक नहीं पहुंचती, जो इन्हीं हथियारों से मारे जा रहे हैं।

70 में से 60 साल कांग्रेस की सरकार रही। आपने क्यों नहीं किया विकास। आज आप हिसाब मांग रहे हो। इंदिरा गांधी माओवादी विचारधारा की गिरफ्त में थीं। उनके कार्यकाल में नक्सलवाड़ी से शुरू हुआ आंदोलन 12 राज्यों, 17 प्रतिशत भू-भाग 10 प्रतिशत से ज्यादा आबादी में फैल गया। राहुल गांधी ने नक्सल समर्थकों के साथ मंच साझा किया था और 'प्रो-हिडमा' नारे का समर्थन किया था।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्वीकारा था कि जम्मू-कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट की तुलना में देश की आंतरिक सुरक्षा में सबसे बड़ी समस्या माओवादी है। 2014 में बदलाव हुआ। धारा 370 हटी, 35-ए हटा, राम मंदिर बना, CAA कानून आ गया है, विधायी मंडलों में महिलाओं को 33% आरक्षण मिल गया है।

जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में सरकार बदली। 24 अगस्त 2024 को मैंने कहा था कि 31 मार्च 2026 को नक्सलवाद देश से समाप्त हो जाएगा। 11 साल में 596 पुलिस स्टेशन बने, नक्सल प्रभावित जिले 2014 में 126 थे आज सिर्फ 2 है। ज्यादा प्रभावित जिले 35 थे आज शून्य हैं। नक्सल घटनाएं दर्ज करने वाले पुलिस स्टेशन 350 से 7 हो गए। पिछले तीन साल 2024-25 और 2026 में देश में 706 नक्सली मारे गए, 2218 गिरफ्तार और 4839 ने सरेंडर किया।

वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को बढ़ाने के लिए भोले आदिवासियों को चुना। उन्होंने सोचा कि अगर ये पढ़ लिख जाएंगे तो ये हमारे साथ नहीं रहेंगे। स्कूल जला दिए। बैंक जला दिए। विकास को तो वामपंथी उग्रवादियों ने वर्षों तक नहीं पहुंचने दिया। वह विकास अब नरेंद्र मोदी सरकार में घर घर पहुंच रहा है। गरीबी के कारण नक्सलवाद नहीं फैला, बल्कि नक्सलवाद की वजह से इस क्षेत्र में वर्षों तक गरीबी रही। नक्सलवाद की जडें गरीबी से नहीं जुड़ी हैं।

हम सब जानते हैं कि 1947 में जब हम आजाद हुए, तब संसाधन कम थे। देश के अंदर विकास का निशान नहीं था। दशकों तक, लगभग दो सदी तक इस देश को गुलामी में लूटा गया। राजनीति कुछ ही क्षेत्रों तक सीमित थी। कीमती संसाधन, रेवेन्यू कम था, तो विकास भी एक साथ नहीं पहुंचता है। सड़क बनानी थी तो पूरे देश की एक साथ नहीं पहुंची। हर जगह विकास नहीं पहुंचा था। अगर स्टेट पहुंचा ही नहीं था, सुनियोजित भेदभाव का वातावरण ही नहीं था, तो भेदभाव का वातावरण कैसे पैदा हो गया।

अमेरिका पूरे विश्व के आतंकियों को दंड देगा मगर

पाक आतंकियों को खुली छूट

वॉशिंगटन ● एजेंसी

पाकिस्तान से उत्पन्न हो रहा आतंकवाद, भारत के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। अब एक अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकवाद को लेकर भारत की चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और इसे लेकर भारत में निराशा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका को कश्मीर पर नई दिल्ली की रेड लाइंस का सम्मान करना चाहिए और तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से बचना चाहिए।

इस सप्ताह थिंक टैंक 'सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी' द्वारा जारी एक पॉलिसी पेपर में चेतावनी दी गई है कि प्रमुख क्षेत्रों में जारी सहयोग के बावजूद वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच गहरा रणनीतिक अविश्वास अब भी संबंधों पर असर डाल रहा है। 'रिपेयरिंग द ब्रीचः गेटिंग यूएस-इंडिया टाइज बैक ऑन ट्रैक' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में दोनों देशों के संबंधों में पैदा हुआ तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और संबंधों को सुधारने में समय लगेगा। लिसा कर्टिस, कीर्ति मार्टिन और सितारा गुप्ता द्वारा लिखित इस रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत-अमेरिका संबंध गंभीर रूप से डगमगा गए थे। इसके पीछे भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम को लेकर मतभेद और भारतीय सामान पर अमेरिका द्वारा लगाया गया भारी-भरकम टैरिफ जैसे मुद्दे शामिल थे। फरवरी 2026 में अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बनने से दोनों देशों के संबंध फिर से पटरी पर लाने की कोशिश की गई है।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तीखा हमला

'ईरान-रूस से तेल खरीदने के लिए ट्रंप से लेनी पड़ रही इजाजत'

कोट्टायम ● एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल के कोट्टायम में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखे प्रहार किए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की वजह से भारत की अपनी मर्जी से तेल खरीदने की ताकत खत्म हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत को ईरान या रूस जैसे देशों से तेल खरीदने के लिए भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अनुमति लेनी पड़ती है। उन्होंने केरल की एलडीएफ सरकार को भी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा और रबर किसानों के लिए बड़े वादे किए।

राहुल गांधी ने जनसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ समझौता करके हमारे किसानों के अधिकार छीन लिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी आधुनिक भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने देश की ऊर्जा सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। राहुल ने कहा कि आज भारत अपनी मर्जी से पेट्रोल या डीजल नहीं खरीद सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मध्य पूर्व के हालातों की वजह से आर्थिक संकट आने वाला है, लेकिन 140 करोड़ लोगों का देश अपनी मर्जी से तेल नहीं खरीद पा रहा है।

केरल के रबर किसानों का मुद्दा उठाते हुए राहुल गांधी ने एलडीएफ सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एलडीएफ ने 2016 के घोषणापत्र में रबर की कीमत 250 रुपये करने का वादा किया था, जिसे पिछले 10 साल में पूरा नहीं किया गया। उन्होंने घोषणा की कि राज्य में यूडीएफ की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में रबर की कीमत 250 रुपये तय की जाएगी और बाद में इसे 300 रुपये तक ले जाया जाएगा। राहुल गांधी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर भी हमला बोला। राहुल गांधी के इन दावों पर पलटवार भी हो रहा है। जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पिछले भाषणों में सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है।

एक जिला एक उत्पाद का मॉडल बनाएगा नया राष्ट्रीय कीर्तिमान :मुख्यमंत्री

नई दिल्ली ● एजेंसी

मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में 'एक जिला-एक उत्पाद' (ODOP) को एक मजबूत आर्थिक मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। यह पहल स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाने के साथ उन्हें बाजार, निर्यात और रोजगार से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रही है। इस सशक्त मॉडल को 31 मार्च को वाराणसी में आयोजित सहयोग सम्मेलन में प्रस्तुत किया जाएगा, जहां उत्तर प्रदेश के नवाचारों से भी अनुभव साझा किए जाएंगे।

हर जिले की पहचान को मिला आर्थिक विस्तार

ओडीओपी के तहत प्रदेश के प्रत्येक जिले की विशिष्टता को चिन्हित कर उसे उत्पादन, प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन, ब्रांडिंग और बाजार उपलब्धता से जोड़ा गया है। श्योपुर का अमरूद, मुरैना-भिंड की सरसों, ग्वालियर का सैंडस्टोन, अशोकनगर की चंदेरी हैंडलूम, रतलाम का नमकीन, उज्जैन का बाटिक प्रिंट और धार का बाघ प्रिंट जैसे उत्पाद अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान बना रहे हैं। यह पहल केवल पारंपरिक उत्पादों के संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे एक समग्र वैल्यू चेन के रूप में विकसित किया गया है, जिससे कारीगरों, किसानों और सूक्ष्म उद्यमियों को स्थायी आय के अवसर मिल रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

मध्यप्रदेश के इस प्रयास को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। ओडीओपी मॉडल को वर्ष 2024 में सिल्वर अवॉर्ड प्राप्त हुआ, जो प्रदेश के मजबूत आर्थिक इकोसिस्टम और स्थानीय उत्पादकों की क्षमता को दर्शाता है।

निर्यात और बाजार से जुड़ रहा मॉडल

प्रदेश में ओडीओपी को निर्यात संवर्धन, कौशल विकास और उद्यमिता से जोड़ा जा रहा है। कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही ब्रांडिंग, पैकेजिंग और ई-कॉमर्स के जरिए इनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाई जा रही है।

एमपी-यूपी सम्मेलन से बढ़ेगा सहयोग

वाराणसी में होने वाले एमपी-यूपी सम्मेलन में दोनों राज्यों के मंत्री, अधिकारी और नीति-निर्माता शामिल होंगे। इस दौरान ओडीओपी के प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा होगी।

सरकारी स्कूलों में पढ़ाएंगे कलेक्टर समेत 162 अधिकारी, नए शैक्षणिक सत्र में होगा बहुत कुछ खास

सनातन वीर ● इंदौर

इंदौर जिले में 1 अप्रैल से नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होने जा रही है। शिक्षा विभाग ने इस बार सत्र के पहले दिन को उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। स्कूल पहुंचने वाले विद्यार्थियों का स्वागत तिलक लगाकर और वंदन के साथ किया जाएगा। इस दौरान स्कूलों में विशेष बाल सभाओं का आयोजन होगा, जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह जगाया जा सके। सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी सुनिश्चित किया गया है ताकि उनकी पढ़ाई में कोई बाधा न आए।

प्रशासनिक अधिकारियों की अनूठी पहल और कलेक्टर की क्लास- स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में एक विशेष कार्यक्रम 4 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इस दिन जिले के 162 प्रशासनिक अधिकारी विभिन्न सरकारी स्कूलों में पहुंचेंगे और वहां विद्यार्थियों की क्लास लेंगे। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा स्वयं प्रताप नगर स्थित आश्रम क्रमांक 2 में जाकर बच्चों को पढ़ाएंगे और उनके साथ संवाद करेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना और छात्रों का मनोबल बढ़ाना है।

विशेष भोज और शैक्षणिक गतिविधियों पर जोर- सत्र के पहले दिन

विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में विशेष मध्यान्ह भोज की व्यवस्था की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी (DPC) द्वारा इस संबंध में लगातार समीक्षा बैठकें की जा रही हैं। विभाग का लक्ष्य नर्सरी से लेकर 12वीं तक के सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों की तर्ज पर आकर्षक बनाना है। इसके साथ ही साल की शुरुआत से ही शैक्षणिक गतिविधियों को पटरी पर लाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है।

नामांकन वृद्धि के लिए शिक्षकों का घर-घर संपर्क अभियान- सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए शिक्षकों को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं। 'ज्यादा नामांकन' अभियान के तहत प्रत्येक विद्यालय से एक शिक्षक को घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिक्षक बच्चों के शैक्षिक स्तर का आकलन करेंगे और उन्हें स्कूल में प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इस रणनीति से विभाग को उम्मीद है कि इस वर्ष सरकारी स्कूलों में छात्रों का ग्राफ बढ़ेगा।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और अभिभावकों का सम्मान होगा- शिक्षा विभाग ने इस बार केवल छात्रों ही नहीं बल्कि उनके अभिभावकों को भी प्रोत्साहित करने की योजना बनाई है। जिन विद्यार्थियों ने पिछली कक्षाओं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, उनके माता-पिता को स्कूल स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

फिर जमीनी विवाद सामने आया 40 से अधिक मकान बन गए

छोटा बांगड़दा स्थित नंदबाग कॉलोनी से जुड़ा हुआ है मामला

शिकायतकर्ताओं ने बीजेपी नेता एवं कॉलोनी नाइजर पर लगाए गंभीर आरोप

- **आरोप लगाया गया कि बीजेपी नेता यशराज मेहता ने नोटरी की है**
- **35 हजार स्क्वायर फीट की जमीन पर कब्जा किया गया**
- **कब्जा कर लोगों को अवैध रूप से प्लांट आबंटित किए**

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में बीजेपी नेताओं के नित नये कारनामे रोजाना सामने आ रही है इसी कड़ी में खुद को बीजेपी का वरिष्ठ नेता बताते हुए करोड़ों रुपए की जमीन पर कब्जा कर उसे बेच दिया गया , फिलहाल कई पीड़ितों ने पुलिस और जिला प्रशासन को भी शिकायत की लेकिन कई सालों से पीड़िता पुलिस और प्रशासन को शिकायत कर थक गए लेकिन बीजेपी नेता पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है और अब पीड़ित जल्द ही पूरे मामले की शिकायत इंदौर कलेक्टर कमिश्नर के साथ ही मुख्यमंत्री को भी करने की बात कर रहे हैं। जिसके कारण अब 40 से ज्यादा प्लांट और मकान धारकारको की चिंता बढ़ दी साथ 35 हजार स्क्वायर फीट की जमीन का विवाद न्यायालय में विचाराधीन है।

पूरा मामला नंदबाग क्षेत्र का है जहां बीजेपी नेता जसराज मेहता कॉलोनाइजर पर आरोप शिकायतकर्ता के द्वारा आरोप लगाए गए है उनके द्वारा बताया गया कि 8 एकड़ जमीन क्रय की गई थी जिस पर रजिस्टर्ड कॉलोनी विकसित की गई थी लेकिन बीजेपी नेता एवं कॉलोनाइजर जसराज मेहता द्वारा लगभग 35000 स्क्वायर फीट जमीन पर कब्जा कर प्लाट काट कर बेच भी दिए जिनकी नोटरी भी फर्जी तरीके से करवाई गई है जहां 40 से अधिक मकान भी बन चुके हैं फरियादी द्वारा इसकी शिकायत अनुविभागीय अधिकारी को भी कर रखी है और बाणगंगा थाने पर भी इसकी शिकायत दर्ज की जा चुकी है साथ ही एक बोर्ड लगाया गया है जिसमें सभी मालिकों के नाम और नंबर भी लिखे गए हैं और वहां के रहने वाले लोगों से आग्रह किया है कि आप यहां पर मकान ना बनाएं ताकि भविष्य में यदि किसी तरह की समस्या आती है तो उसका सामना करना पड़ सकता है क्योंकि मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है साथ ही कॉलोनी में अभी भी कई नए मकान बन रहे हैं। आरोप लगाया गया है कि बीजेपी नेता एवं कालोनीनाइजर ने फर्जी तरीके से नोटरी बनवाकर लोगों को प्लॉट बेच रहा है वहीं वर्ष 2018 में भी प्लॉट बेचे गए जिसकी नोटरी वर्ष 2008 की बताई गई है हमारे द्वारा जिन लोगों ने क्षेत्र में मकान बनाए गए उन्हें निजी तौर पर हमारी जमीन को लेकर जिनके मकान, प्लॉट है उन्हें नोटिस जारी किया गया है कि जब तक कोर्ट में केस चल रहा है यहां पर किसी तरह का निर्माण न करें जिसे बोर्ड भी आज क्षेत्र में लगा दिया गया है , शिकायतकर्ताओं ने सूचना देते हुए एक बोर्ड भी लगाया है जिसमें खसरा क्रमांक 265/7/8/9/10 है जिस का मालिकाना हक संदीप यादव, आनंद कश्यप, प्रभाकर राय, आनंद जायसवाल, महेंद्र सिंह सोलंकी को बताया गया। वही इस पूरे मामले के सामने आने के बाद जिन लोगों ने उक्त प्लाट खरीदे थे उन्होंने मकान भी बना लिए हैं लेकिन अब उन पर मुसीबत आन पड़ी है क्षेत्रीय रहवासियों का कहना है कि हम पिछले कई वर्षों से यहां पर रह रहे हैं और नगर निगम का टैक्स भी दे रहे हैं बीजेपी नेता एवं कालोनी नाइजर जसराज मेहता द्वारा हमें यह कहकर प्लॉट दिए गए थे की जमीन में किसी तरह का कोई लफड़ा नहीं है लेकिन इतने वर्षों बाद आज यह हमें मालूम पड़ रहा है कि यह जमीन किसी और की है फिलहाल मौके पर काफी विवाद की थी स्थिति बनी रही।

भाई के बेटे में दिखा 'राजा', घर में जश्न का माहौल

इंदौर ● संवाददाता

'राजा इज बैक' लिखकर नवजात का भव्य स्वागत, हाथों में राजा की तस्वीर थामे आई भाभी

ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के बाद गम में डूबे परिवार में अब खुशी का माहौल है। उनके बड़े भाई सचिन के घर बेटे का जन्म हुआ है, जिसे परिवार 'राजा' मान रहा है। रविवार रात को परिवार ने ढोल बजाकर जश्न मनाया।

राजा रघुवंशी की हत्या के बाद परिवार लंबे समय से दुख में था। अब सचिन के घर बेटे के जन्म से घर में खुशी लौट आई है। परिजन बच्चे को राजा कहकर पुकार रहे हैं। परिवार के मुताबिक, जिस दिन राजा की हत्या हुई थी, उस दिन भी ग्यारस थी। अब बेटे का जन्म भी ग्यारस के दिन और लगभग उसी समय हुआ है। इसे परिवार एक संयोग मानते हुए भावनात्मक रूप से जोड़ रहा है। रविवार रात परिवार ने घर पर ढोल बजाकर खुशी मनाई। परिजन जमकर नाचे और नए मेहमान का स्वागत किया। अस्पताल के बाहर भी ढोल बजाए गए। सोमवार शाम को बेटे को घर लाया गया। इस मौके पर परिवार ने इस पल को पूरे उत्साह के साथ मनाया। परिवार ने पूरे घर को सजाया। मेन गेट पर लिखा "राजा इज बैक"। शाम को सजी हुई कार में बच्चे और मां को लेकर परिवार के लोग लेकर आए। इस दौरान जमकर आतिशबाजी की गई। परिवार के लोग ढोलक की थाप पर जमकर थिरकते नजर आए। राजा के भाई विपिन और सचिन के साथ ही परिवार के अन्य लोग ढोलक की थाप पर जमकर नाचे। पूरे उत्साह के साथ नए मेहमान का वेलकम किया गया। जब सचिन की पत्नी किरण अपने बेटे के साथ घर लौटी तो उनके हाथ में राजा की तस्वीर था। दोनों हाथों से वह राजा की तस्वीर लेकर चल रही थी। वह उमा रघुवंशी के हाथों में नन्हा मेहमान घर में आया। विपिन ने बताया कि जिस तरह राजा की शादी में खर्चा किया गया था, उसी तरह नए मेहमान के आने की खुशी में खर्चा किया गया है। बड़े दिन बाद परिवार में खुशी का माहौल लौटा है।

हत्या के बाद नहीं मनाया कोई त्योहार

राजा की हत्या के बाद परिवार ने कोई त्योहार नहीं मनाया था। बेटे के जन्म के बाद पहली बार घर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला है।

पहली बार क्रिकेटरों की नीलामी आज

एमपीएल में खिलाड़ी खरीदेंगी टीमें, 12.5 लाख में वेंकटेश अय्यर और 7 लाख में रजत पाटीदार रिटेन

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में 31 मार्च को पहली बार मध्य प्रदेश क्रिकेट लीग के लिए नीलामी होने जा रही है। यह पहली बार है जब लीग में खिलाड़ियों की आईपीएल की तर्ज पर नीलामी हो रही है। नीलामी में फ्रेंचाइजी टीमें अपनी पसंद के क्रिकेटरों की बोली लगाकर खरीदेंगी। इससे खिलाड़ियों पर 'धन वर्षा' होने की उम्मीद है और प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिलेगा।

नीलामी में तेज गेंदबाज आवेश खान, कुलदीप सेन, आक्रामक बल्लेबाज आशुतोष शर्मा, अनिकेत वर्मा के अलावा माधव तिवारी जैसे नाम शामिल हैं। वहीं वेंकटेश अय्यर और रजत पाटीदार को रिटेन किया जा चुका है। व्यंकटेश अय्यर को टीम ने 12.5 लाख रुपए और रजत को 7 लाख रुपए में रिटेन किया गया है। एमपीएल आईपीएल के ठीक बाद खेली जाएगी। नीलामी ब्रिलियंट कंवेशन सेंटर में दोपहर 3 बजे से शुरू होगी। मप्र क्रिकेट लीग के बीते दो संस्करण बेहद सफल रहे हैं और इनसे निकले कई खिलाड़ी आइपीएल में चमक बिखेर रहे हैं। मप्र लीग में खेलने के लिए दूसरे राज्यों की टीम छोड़कर भी कई खिलाड़ी मध्य प्रदेश आए हैं। इनमें अजय रोहेरा, पुनीत दाते, आनंद सिंह बैस के नाम शामिल हैं। तीनों खिलाड़ी पहले मध्य प्रदेश से ही खेला करते थे। पर्याप्त प्रतिनिधित्व न मिलने के चलते पुडुचेरी राज्य का प्रतिनिधित्व करने लगे थे। मप्र लीग में खेलने के लिए अब तीनों ने पुडुचेरी से नाता तोड़ लिया है। आगामी सत्र में यह मप्र टीम में चयन के लिए उपलब्ध होंगे। मध्य प्रदेश से ही खेलने वाले आक्रामक बल्लेबाज आशुतोष शर्मा भी लीग में शामिल होंगे। आशुतोष घरेलू क्रिकेट में रेलवे का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे आइपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने रेलवे टीम नहीं छोड़ी है, लेकिन चूंकि रेलवे की अपनी कोई लीग नहीं होती। इसलिए उन्हें मप्र लीग में खेलने के लिए विशेष अनुमति दी गई है। पहले लीग में 7 टीमें थीं, लेकिन इस बार 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

सत्यनारायण सत्तन से मिलने पहुंचे भाजपा नगर अध्यक्ष

बोले- वे हमारे वरिष्ठ, 25 बार माफी मांगेंगे; महापौर ने भी कहा- क्षमा प्रार्थी हूं

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के दशहरा मैदान पर आयोजित कार्यक्रम से वरिष्ठ भाजपा नेता और कवि सत्यनारायण सत्तन (सत्तन गुरु) के वापस लौटने के बाद पार्टी खेमे में हलचल तेज हो गई।

सोमवार को भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा सत्तन गुरु के घर पहुंचे और उनसे मुलाकात की। मिश्रा ने कहा कि हम गुरुजी से 25 बार माफी मांगेंगे। वे हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। वहीं, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बयान जारी कर कहा कि मुझे गहरा खेद है और मैं हृदय से क्षमा प्रार्थी हूं। दूसरी ओर, कांग्रेस नेताओं ने भी सत्तन के घर पहुंचकर उनसे मुलाकात की है। दरअसल, रविवार को दशहरा मैदान पर नगर निगम ने एक कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें सीएम डॉ. मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट सहित कई जनप्रतिनिधि, पार्षद और आमजन शामिल हुए थे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता सत्यनारायण सत्तन को भी आमंत्रित किया था। इस आमंत्रण पर वे आयोजन में पहुंचे भी। मंच पर जाने के दौरान किसी कार्यकर्ता ने उन्हें रोक दिया और कहा कि कुर्सी और सूची में उनका नाम नहीं है। इसके बाद सत्तन कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही लौट गए। जब मामला सामने आया तो भाजपा खेमे में हलचल मच गई।

घर पहुंचे नगर अध्यक्ष, बोले- 25 बार माफी मांगेंगे

सोमवार को भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा सत्यनारायण सत्तन के घर पहुंचे। उन्होंने मुलाकात की और दशहरा मैदान के आयोजन में हुए घटनाक्रम सहित अन्य विषयों पर चर्चा की। इसके बाद मिश्रा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि वे हमारे वरिष्ठ नेता हैं। समय-समय पर पार्टी के अभियानों के तहत मुझे उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करने का मौका मिलता है। गुरुजी के पास आकर मैं दिशा-निर्देश प्राप्त करता रहता हूं। हमारे कई कार्यक्रम चल रहे हैं। हम गुरुजी को बतौर वक्ता आमंत्रित करते हैं, इसलिए उनसे भाजपा के आगामी कार्यक्रम को लेकर निवेदन करने आया था।

दशहरा मैदान में हुए घटनाक्रम के सवाल पर मिश्रा ने कहा कि किसी गलतफहमी के कारण यह घटना हुई है। उस गलतफहमी को गुरुजी से मिलकर दूर किया गया है। वे हमारे वरिष्ठ नेता और मार्गदर्शक हैं। गलतफहमी में कई बार त्रुटियां हो जाती हैं। अगर कहीं कोई गलती हुई है तो हम गुरुजी से 25 बार माफी मांगेंगे। वे हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं।

"मुझे महापौर ने आमंत्रित किया था, जवाबदारी उनकी"

सत्तन ने कहा कि सुमित मिश्रा ने संगठनात्मक गतिविधियों के विषय में चर्चा की है। रविवार को हम तीन लोग राकेश शर्मा, तोमर साहब और वाजपेयी जी वहां गए थे, जहां लोगों के बैठने की व्यवस्था थी। वहां एक कार्यकर्ता हाथ में कागज लेकर खड़ा था। उसने कहा कि यहां आमंत्रित लोगों के बैठने की व्यवस्था है और इसमें आपका नाम नहीं है। इसके बाद मैं वापस चला आया। उन्होंने कहा कि नई पार्टी है, नए लोग हैं, नए रीति-रिवाज हैं और नर्मदा का चतुर्थ चरण है, जबकि मैं तो प्रथम चरण में ही हूं। मेरा आचरण तो प्रारंभ से ही वैसा रहा है।

मल्हारगंज में होटल सामान के गोदाम में लगी आग

फायर ब्रिगेड मौके पर रहवासी इलाके की, बिजली सप्लाई बंद

इंदौर ● संवाददाता

शहर के मल्हारगंज थाना क्षेत्र की गली नंबर 3 में स्थित होटल वर्ल्ड किचन के गोदाम में सोमवार रात अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया।

आग की खबर मिलते ही बिजली विभाग ने तत्काल इलाके की बिजली सप्लाई बंद कर दी, ताकि किसी तरह का बड़ा हादसा न हो। वहीं सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थान पर हटाया गया। होटल वर्ल्ड पर होटल से संबधित सामान बेचा जाता है। मल्हारगंज इलाके में उनका तीन मंजिला गोदाम बना हुआ है।

रहवासी क्षेत्र होने से बढ़ी चिंता

जिस स्थान पर आग लगी है, उसके आसपास घनी आबादी है। ऐसे में आग फैलने की आशंका को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड पर हैफायर ब्रिगेड की टीम लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थिति पर काबू पाने के बाद ही नुकसान का आंकलन किया जा सकेगा।

अलग-अलग जगह तीन रोड एक्सीडेंट

इंदौर ● संवाददाता

सुपर कॉरिडोर पर कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर; करीब 100 फीट दूर जाकर गिरी बाइक

इंदौर के सुपर कॉरिडोर इलाके में सोमवार को एक बाइक सवार शख्स को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक सवार कई फीट दूर जा गिरा। सूचना के बाद पुलिस की एफआरवी मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

घटना सुपर कॉरिडोर की है। यहां तेज रफ्तार कार नंबर MP09DP0005 ने बाइक पर जा रहे एक व्यक्ति को पीछे से बुरी तरह टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद बुजुर्ग सड़क पर गिर गए, जबकि बाइक करीब 100 फीट दूर जा गिरी। अभी घायल की पहचान नहीं हो पाई है।

तेज रफ्तार दो कारें आपस में टकराईं

उधर, लवकुश चौराहे के पास सुबह एक हादसे में दो कारें आपस में टकरा गईं। इस हादसे में किसी को चोट तो नहीं आई, लेकिन दोनों कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक, घटना अलसुबह की है। यहां उज्जैन की तरफ से आ रही एक कार एरोड्रम के सुपर कॉरिडोर की ओर से आ रही कार से भिड़ गई। इस हादसे में गाड़ी में सवार लोगों को ज्यादा चोटें नहीं आईं। हादसे के बाद दोनों ड्राइवर कार छोड़कर चले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सराफा में कार सवार ने दो गाड़ियों में मारी टक्कर

सराफा बाजार में भी रविवार देर रात एक कार सवार युवक ने वहां खड़ी कार और एक्टिवा को टक्कर मार दी। बताया जाता है कि रात में युवक ने ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया, जिससे आगे खड़ी एक कार और एक्टिवा को टक्कर लग गई। इसके बाद सराफा में मौजूद लोगों ने कार सवार की पिटाई कर दी। पुलिस बाद में उसे थाने ले गई। कार सवार पर शराब पीने का आरोप लगाया गया।

सीएम के दौरे में ड्यूटी से गायब टीआई सस्पेंड : इंदौर में एसीपी स्तर के अफसरों की मूल्यांकन सूची जारी

इंदौर। इंदौर में रविवार को सीएम डॉ. मोहन यादव कई कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान ट्रैफिक का एक टीआई ड्यूटी से नदारद रहा। इस मामले में ट्रैफिक अधिकारियों ने सोमवार को जांच के बाद उसे सस्पेंड कर दिया। यह मामला सीएम के कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक ड्यूटी से जुड़ा है। ट्रैफिक के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीआई राहुल राजपूत को निलंबित किया है। बताया जा रहा है कि रविवार को उनकी ड्यूटी लगी थी, लेकिन वे गैरहाजिर रहे। राहुल राजपूत पहले द्वारकापुरी टीआई रह चुके हैं। वहां से उन्हें लाइन अटैच किया गया था। लंबे समय तक लाइन में रहने के बाद उन्हें दोबारा ट्रैफिक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

एसीपी स्तर के अधिकारियों का हुआ मूल्यांकन

सीपी संतोष सिंह ने एसीपी और थाना प्रभारियों के लिए रेटिंग सिस्टम लागू किया है, जिसके तहत बेहतर कार्रवाई पर हर माह ग्रेड दिया जाता है। सोमवार को पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी सूची में खजराना एसीपी कुंदन मंडलोई को पहला स्थान, विजय नगर को दूसरा और गांधी नगर को तीसरा स्थान मिला। पिछले माह पहले स्थान पर रही रुबिना मिजवानी इस बार सीधे नौवें स्थान पर पहुंच गईं। वहीं, जोन-4 के सराफा को सबसे अंतिम स्थान मिला। थाना प्रभारियों की रेटिंग में भी इसी जोन के पंढरीनाथ थाने को सबसे आखिरी स्थान मिला है।

टेलीग्राम रेटिंग के नाम पर ठगी

इंदौर ● संवाददाता

होटल की फाइव स्टार रेंटिग करने के लिए कमीशन के नाम पर 3.12 लाख ऐंठे

शहर में ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। लसूड़िया क्षेत्र में टेलीग्राम के जरिए होटल और प्रॉपर्टी को 5 स्टार रेटिंग देने के नाम पर एक युवक से लाखों रुपए की ठगी कर ली गई। मामला साइबर सेल तक पहुंच गया है और जांच जारी है।

लसूड़िया पुलिस के मुताबिक पिंक सिटी निवासी विनय कुमार को 23 नवंबर 2025 को बजाज फिनसर्व कंपनी के नाम से मैसेज मिला। इसमें रोजाना रेटिंग देने पर कमीशन देने का लालच दिया गया। शुरुआत में छोटे अमाउंट डलवाए गए और फिर धीरे-धीरे बड़ी रकम जमा करवाई गई। इंसेंटिव का झांसा, बढ़ती गई रकम आरोपियों ने पहले करीब 1.62 लाख रुपए खाते में डलवाए। इसके बाद इंसेंटिव का लालच देकर और पैसे मांगते रहे। प्रीति नाम की महिला ने 1 लाख रुपए और डालने पर पूरा पैसा इंसेंटिव के साथ लौटाने की बात कही। शक हुआ तो बैंक और साइबर सेल पहुंचा मामला शक होने पर विनय ने एचडीएफसी बैंक में कॉल कर ट्रांजेक्शन रुकवाने की कोशिश की और साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित के मुताबिक वह अब तक करीब 3 लाख 12 हजार रुपए आरोपियों को दे चुका है। बाद में आरोपियों ने उसे व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर ब्लॉक कर दिया।

युवती से 19 लाख की ठगी, जान-पहचान का फायदा उठाया

एक अन्य मामले में युवती के साथ करीब 19 लाख रुपए की ठगी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक पारुल नाम की युवती ने शिकायत दर्ज कराई है कि शुभम गुप्ता नाम के व्यक्ति ने कई ट्रांजेक्शन के जरिए उसके खाते से करीब 18.81 लाख रुपए ट्रांसफर कर लिए। इस मामले में भी साइबर सेल ने जांच शुरू कर दी है और एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

16 साल की नाबालिग को लगा फंदा, चंदन नगर की घटना, परिवार ने बताया झूला झूलते में हुआ हादसा

इंदौर ● संवाददाता

चंदन नगर इलाके में 16 वर्षीय नाबालिग घर में फांसी के फंदे पर मिली। घटना का पता तब चला, जब शाम तक वह कमरे से बाहर नहीं निकली। परिवार के लोगों ने देखा तो वह फंदे पर मिली।

रविवार सुबह उसने परिवार के साथ नाश्ता किया और दिनभर सामान्य रूप से घर में रही। दोपहर में वह अपनी भाभी से बात करती रही, इसके बाद कमरे में चली गई। परिजनों ने बताया कि शाम तक माहिमा कमरे से बाहर नहीं आई तो मां उसे देखने पहुंची। इसी दौरान घटना का पता चला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। माही के पिता हाट-बाजार में दुकान लगाते हैं। परिवार में माता-पिता और एक भाई हैं। माही के भाई रूपेश के

अनुसार वह आठवीं कक्षा में पढ़ रही थी। उन्होने बताया कि वह कमरे में झूला झूल रही थी। इस दौरान अचानक उसके गले में रस्सी का फंदा लग गया। इससे उसका दम घूट गया। परिवार ने पूरी घटना को एक हादसा बताया है।

कनाड़िया में चौकीदार ने लगाई फांसी

कनाड़िया थाना क्षेत्र के अंबा मुलिया गांव में 23 वर्षीय युवक रामजीवन बलाई ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने शाम के समय उसे फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। रामजीवन खेत पर चौकीदारी का काम करता था और अपनी मां के साथ रहता था। उसका परिवार देवास जिले के खातेगांव में रहता है। पुलिस दोनों मामलों में आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

भोजशाला विवाद : मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, इंदौर बेंच में आपत्तियों पर सुनवाई न होने का आरोप

इंदौर। धार के भोजशाला मामले में मुस्लिम पक्ष ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में प्रस्तावित सुनवाई से असंतुष्टि जताते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। कमाल मौलाना वेलफेयर सोसायटी ने विशेष आवेदन दायर कर मांग की है कि 2 अप्रैल को प्रस्तावित सुनवाई से पहले 1 अप्रैल को उनकी आपत्तियों पर सुनवाई की जाए। सोसायटी के अध्यक्ष अब्दुल समद के अनुसार, 11 मार्च को एएसआई सर्वे की वीडियोग्राफी उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। हालांकि 16 मार्च की सुनवाई में इस मुद्दे पर न तो चर्चा हुई और न ही कोई आदेश पारित किया गया। सोसायटी का आरोप है कि उनकी आपत्तियों पर समुचित विचार नहीं किया गया। उनका यह भी कहना है कि हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है, फिर भी उस पर आगे बढ़ा जा रहा है।

महंगाई पर देवास में कांग्रेस का प्रदर्शन

गैस ₹60 महंगी होने को उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ बताया

देवास ● संवाददाता

देवास में शहर कांग्रेस ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर महंगाई के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने बिजली दरों में 4.80 फीसदी वृद्धि और गैस सिलेंडर के दाम में 60 रुपए की बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम डिप्टी कलेक्टर आनंद मालवीय को ज्ञापन सौंपा।

यह प्रदर्शन शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम के नेतृत्व में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की।

कांग्रेस नेताओं ने बताया कि केंद्र सरकार ने पहले गैस सिलेंडर के दाम में 60 रुपए की वृद्धि की, जिसके बाद प्रदेश सरकार ने लगभग सवा करोड़ बिजली उपभोक्ताओं पर 4.80 फीसदी की वृद्धि का बोझ डाल दिया। नए टैरिफ के अनुसार, छोटे उपभोक्ताओं को हर महीने लगभग 85 रुपए अतिरिक्त देने होंगे, जबकि 500 यूनिट खपत करने वालों पर करीब 213 रुपए का अतिरिक्त भार पड़ेगा।

चेतावनी- कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी

कांग्रेस ने तर्क दिया कि आम जनता पहले से ही गैस, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों से परेशान है। महंगाई लगातार बढ़ रही है, ऐसे में बिजली दरों में वृद्धि करना आम नागरिकों के हित में नहीं है। प्रयास गौतम ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही बढ़ी हुई बिजली दरें और गैस सिलेंडर के दाम वापस नहीं लिए, तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। इस अवसर पर कांग्रेस नेता राजेंद्र मालवीय और प्रदीप चौधरी ने भी संबोधित किया और बढ़ी हुई दरों की निंदा करते हुए उन्हें शीघ्र वापस लेने की मांग की। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

खातेगांव में किसान कांग्रेस का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, 4 हजार रुपए क्विंटल गेहूं खरीदने कहा

खातेगांव। खातेगांव में सोमवार को जिला एवं ब्लॉक किसान कांग्रेस कमेटी ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें किसानों के हक और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को उठाया गया। किसान कांग्रेस ने क्षेत्र में फसल नुकसान, उचित समर्थन मूल्य नहीं मिलने, मुआवजा वितरण में असमानता और अन्य कृषि संबंधी समस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो किसान आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन के माध्यम से किसान कांग्रेस ने कई मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। इनमें सोसायटी ऋण जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाने, गेहूं की खरीदी में 'प्लेट कांटा' से तौल करने और हर दाने का सही मूल्य सुनिश्चित करने की मांग शामिल थी। किसानों ने गेहूं का समर्थन मूल्य बढ़ाकर ₹4000 प्रति क्विंटल करने की भी मांग की। इसके अतिरिक्त, बिजली बिलों की वसूली पर तत्काल रोक लगाने, बिल माफ करने या आसान किस्तों में भुगतान की व्यवस्था करने की मांग की गई। इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन में जिन किसानों की भूमि अधिग्रहित हुई है, उन्हें बाजार मूल्य का चार गुना मुआवजा देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। ज्ञापन में एनएच-146बी से प्रभावित किसानों की समस्याओं के त्वरित और बिंदुवार निराकरण की मांग भी शामिल थी। साथ ही गैस सिलेंडर, डीज़ल और पेट्रोल की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही गई।

चॉकलेट में निकला कॉकरोच और फफूंद

बदबू आने पर परिवार को दिखाई, कहा- ये लापरवाही गंभीर, शिकायत करेंगे

जबलपुर ● संवाददाता

नामी ब्रांड की चॉकलेट में भी गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहपुरा-भिटौनी इलाके में एक 14 वर्षीय छात्र द्वारा खरीदी गई कैडबरी डेयरी मिल्क चॉकलेट में कॉकरोच और फफूंद मिलने का मामला सामने आया है। कक्षा 8वीं के छात्र अंश सेन ने पास की किराना दुकान से 55 की चॉकलेट खरीदी थी। घर पहुंचकर जैसे ही उसने रैपर खोला, चॉकलेट में मरा हुआ कॉकरोच, उसके अंडे और फफूंद दिखाई दी। साथ ही उसमें से बदबू भी आ रही थी। अंश ने तुरंत यह चॉकलेट अपने परिवार को दिखाई। परिजनों के मुताबिक, चॉकलेट के पैकेट पर एक्सपायरी डेट 8 जून 2026 अंकित है। यानी उत्पाद अभी वैध अवधि में था, फिर भी उसमें खराबी मिली।

खाते तो हो सकता था नुकसान

अंश के परिचित मोनू जसवाल ने बताया कि अगर बच्चा यह चॉकलेट खा लेता, तो उसकी सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता था। उन्होंने कहा कि इस तरह की लापरवाही बेहद गंभीर है। परिवार ने चॉकलेट को साक्ष्य के तौर पर सुरक्षित रख लिया है। मामले में खाद्य विभाग में शिकायत दर्ज कराई जाएगी और सैंपल जांच के लिए भेजा जाएगा। साथ ही कंपनी के खिलाफ उपभोक्ता फोरम में मामला दर्ज करने की तैयारी भी की जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

युवक ने लगाई फांसी, मौत : प्रतियोगी परीक्षा की कर रहा था तैयारी, पुलिस भर्ती का दिया था एग्जाम, पत्नी एक माह से मायके में

रतलाम। रतलाम शहर की पीएंडटी कॉलोनी में एक 22 साल के युवक ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सोमवार सुबह उसका शव घर में फांसी के फंदे पर लटकता मिला। सूचना पर पुलिस पहुंची। शव को फंदे से उतारकर पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा। युवक घर में अकेला था। मृतक की पहचान राम सिंघाड़ निवासी गजनीखेड़ी के रुप में हुई है। वह रतलाम के थाना औद्योगिक क्षेत्र में किराए के मकान में रहता था। सुबह जब युवक नहीं उठा तो मकान मालिक ने जाकर देखा। दरवाजा अंदर से खुला था। युवक फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। तब पुलिस व अन्य लोगों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाया और परिजनों को सूचना दी। मृतक शादीशुदा था। उसकी पत्नी एक माह से मायके गई हुई थी। युवक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। घर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की किताबें भी मिली हैं। यह भी जानकारी सामने आई है कि युवक ने पुलिस भर्ती परीक्षा भी दी थी, जिसका कुछ दिन पहले ही फिजिकल टेस्ट हुआ था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। परिजनों के आने के बाद पूरी जानकारी स्पष्ट हो पाएगी।

ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड जवान की मौत

थाने में अचानक बेहोश होकर गिरे, साथियों ने सीपीआर देकर की बचाने की कोशिश

उज्जैन ● संवाददाता

उज्जैन में होमगार्ड सैनिक हरीलाल मालवीय (56 वर्ष) की मौत हो गई। घटना सोमवार दोपहर की है। वे चिमनगंज मंडी थाने में ड्यूटी कर रहे थे, तभी अचानक बेहोश होकर गिर गए। साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें देखा और बचाने के लिए तुरंत सीपीआर दिया, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उनकी मृत्यु श्वसन तंत्र फेल होने के कारण हुई है। ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। हरीलाल मालवीय को तत्काल जिला

चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तुरंत इलाज शुरू किया। लेकिन कुछ देर चले उपचार के बाद उनकी मौत हो गई। फिलहाल उनकी तबीयत कब से खराब थी, इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

परिवार में एक बेटा और बेटी

होमगार्ड कमांडेंट संतोष जाट ने बताया कि जवान हरीलाल उज्जैन के चिमनगंज थाने में वारंट तामील का काम करते थे। पिपली नाका के पास महावीर नगर के रहते थे। वे बाबा महाकाल की सवारी में हमेशा सेवा देते आए हैं। उनके परिवार में एक बेटा और बेटी है। उसे अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी। वहीं, बेटी मेधावी छात्रा हैं। उसे 6 दिसंबर को भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने होमगार्ड के स्थापना दिवस पर 40 हजार रुपए का इनाम दिया था।

गर्लफ्रेंड को भगाने पहुंचे युवक की पीट-पीटकर हत्या

शिवपुरी में युवती के परिजन ने रातभर बंधक बनाकर मारा, शव नाले में फेंका; 5 पर केस

शिवपुरी ● संवाददाता

मध्यप्रदेश के शिवपुरी में गर्लफ्रेंड को भगाने पहुंचे 26 वर्षीय अर्जुन पाल की युवती के परिजनों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना रविवार देर रात की है। सोमवार सुबह उसका शव गांव के पास नाले में मिला। पुलिस ने युवती के पिता, दादा सहित 5 लोगों पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रन्नौद थाना क्षेत्र के नेगमा गांव निवासी अर्जुन पाल का कोलारस की 20 वर्षीय युवती से प्रेम संबंध था। सोमवार को युवती की सगाई तय थी। उसने अर्जुन को जानकारी दी, जिसके बाद दोनों ने भागने की योजना बनाई। रविवार देर शाम अर्जुन अपने रिश्तेदार कल्ला पाल के साथ कोलारस पहुंचा। रात करीब 1 बजे दोनों युवती के घर के पास पहुंचे, लेकिन पहले से सतर्क परिजनों ने दोनों को पकड़ लिया। कल्ला मौके से भाग निकला, जबकि अर्जुन को परिजन घर ले गए। आरोप है कि परिजनों ने अर्जुन को घर में बंधक बनाकर रातभर बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को घर से करीब 100 मीटर दूर नाले में फेंक दिया गया। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने नाले में शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पहचान अर्जुन पाल के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि युवती का दादा खुद थाने पहुंचा और मारपीट की जानकारी दी।

6 माह पहले हुई थी मुलाकात, बढ़ता गया प्रेम संबंध

कल्ला पाल के मुताबिक अर्जुन पास के एक कृषि फार्म पर मजदूरी करता था। करीब 4-6 माह पहले उसी फार्म पर युवती भी काम करने आई थी, जहां दोनों की मुलाकात हुई। इसके बाद दोनों ने मोबाइल नंबर बदले और बातचीत शुरू हो गई।

OBC आरक्षण-SC ने आदेश में किया संशोधन

2 मामले किए रिकॉल, 87-13 के फार्मूले को दी गई है चुनौती

जबलपुर ● संवाददाता

मध्यप्रदेश में चल रहे ओबीसी आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ा अपडेट सामने आया है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने पूर्व आदेश में संशोधन करते हुए आरक्षण से जुड़े दो मामलों को रिकॉल कर लिया है। अब 13 प्रतिशत आरक्षण को होल्ड रखने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट स्वयं सुनवाई करेगा।

जानकारी के अनुसार कोर्ट ने 87-13 के फार्मूले को चुनौती देने वाले मामले को रिकॉल किया गया है, जिसकी सुनवाई अप्रैल के दूसरे सप्ताह में होगी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 54 और याचिकाएं जबलपुर हाईकोर्ट में ट्रांसफर की हैं। ओबीसी आरक्षण से जुड़ी 103 याचिकाओं पर हाईकोर्ट 2 से 15 अप्रैल तक नियमित सुनवाई करेगा।

ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से कोर्ट में दलील देने वाले सीनियर अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण के प्रकरणों में 19 फरवरी 26 को पारित आदेश में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए 52 प्रकरणों को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट वापस भेजा है। ट्रांसफर केसो में से दो प्रकरण में अब सुप्रीम कोर्ट ही सुनवाई करेगा। संशोधित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण के बकाया 52 प्रकरणों को जबलपुर हाईकोर्ट में ट्रांसफर किया गया है। इन प्रकरणों में ओबीसी वर्ग का शासन की ओर से पक्ष रखने के लिए राज्यपाल द्वारा नियुक्त विशेष अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर एवं विनायक प्रसाद शाह ने बताया कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट जबलपुर में ओबीसी आरक्षण के विचाराधीन सभी प्रकरणों को मध्य प्रदेश सरकार (महाधिवक्ता) द्वारा सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर कराए गए थे, जो दो अलग-अलग बंचों में अलग-अलग खंडपीठ के समक्ष पेंडिंग थे। जस्टिस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे के समक्ष एक दर्जन मामले नियत थे। जिनमें ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेसर ने नियमित सुनवाई के आवेदन दाखिल किए थे। इनमें सुप्रीम कोर्ट ने 19 फरवरी को फाइनल आदेश पारित कर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को वापस भेज दिए थे और सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति से उक्त समस्त प्रकरणों को विशेष बेंच गठित कर 3 महीने के अंदर निराकृत करने के आदेश पारित किए थे। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दीपक कुमार पटेल के नाम से एक रिव्यू याचिका MA/529/26 दाखिल की गई थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने खुले न्यायालय में 20 मार्च को विस्तृत सुनवाई करते हुए 19 फरवरी को पारित आदेश में संशोधन कर 52 प्रकरण जो मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ट्रांसफर कराए गए थे, उनको भी 20 मार्च के आदेश से मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को वापस भेज दिए हैं, तथा दो विशेष अनुमत याचिकाएं जो पूर्व में सुप्रीम कोर्ट द्वारा मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को वापस की गई थीं उन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने आदेश दिनांक 20/3/26 जो वेवसाइड पर 30/03/26 को अपलोड हुआ हैं । उक्त आदेश मे सुप्रीम कोर्ट ने दो एसएलपी जिनमे दीपक कुमार पटेल विरूध मध्य प्रदेश शासन एवं हरिशंकर बरोदिया विरुद्ध मध्य प्रदेश शासन को अपने समक्ष सुनवाई के लिए वापस रिकॉल कर लिए गए हैं।

ग्वालियर में फर्जी सिम नेटवर्क का खुलासा

एक फोटो से सैकड़ों सिम एक्टिव, एक हजार में बेचता था कनेक्शन, ऑपरेशन 'FACE' में पहली बड़ी कार्रवाई

ग्वालियर ● संवाददाता

शहर में फर्जी सिम कार्ड के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। यहां एक पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) शॉप संचालक ने एक ही व्यक्ति के आधार और फोटो का इस्तेमाल कर सैकड़ों लोगों के नाम पर फर्जी सिम कार्ड जारी कर दिए।

मामले का खुलासा तब हुआ, जब जिस व्यक्ति की फोटो सिम फॉर्म में लगाई जा रही थी, वह खुद पुलिस के पास पहुंच गया। पुलिस को आशंका है कि इन फर्जी सिम काड्र्स का इस्तेमाल ऑनलाइन ठगी में किया गया होगा। अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क के खुलासे के बाद कई साइबर फ्रॉड मामलों की कड़ियां जुड़ सकती हैं।

एक फोटो, अलग-अलग नाम ऐसे चला पूरा खेल

एएसपी विदिता डागर ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी उमेश कुशवाह (निवासी गिरवाई, मूल रूप से भिंड) ने अपने साथी आशीष नागर को लालच देकर इस काम में शामिल किया था। आशीष का काम ग्राहकों की जगह खुद की फोटो लगाकर सिम एक्टिवेट करना था। इसके बदले उसे हर सिम पर करीब 500 रुपए मिलते थे, जबकि आरोपी एक सिम के लिए एक से डेढ़ हजार रुपए तक वसूलता था। जांच के दौरान पता चला कि मुख्य आरोपी को पुलिस कार्रवाई की भनक लग गई थी। उसने इंस्टाग्राम मैसेंजर के जरिए अपने साथी आशीष को मैसेज भेजकर अंडरग्राउंड होने की सलाह दी। इसी तरीके से सैकड़ों सिम एक ही फोटो और आधार के जरिए फर्जी दस्तावेज बनाकर एक्टिव कर दिए गए।

ऑपरेशन 'FACE' में पहली FIR

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन 'FACE' (फेशियल ऑथेंटिकेशन कम्प्लायंस इंफोर्समेंट) के तहत यह ग्वालियर में पहली बड़ी कार्रवाई है। झांसी रोड थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

एक ही इलाके के नाम पर सिम जारी

अब तक पुलिस ने 7 फर्जी सिम बरामद किए हैं। ये सभी सिम गुढ़ा-गुढ़ी का नाका क्षेत्र की प्रीतमपुर कॉलोनी और कुम्हारों के मोहल्ले के लोगों के नाम पर जारी किए गए थे, जबकि उनमें आशीष की फोटो लगी थी।

आगे और बड़े खुलासे की संभावना

पुलिस का कहना है कि यह सिर्फ शुरुआत है। जांच आगे बढ़ने पर फर्जी सिम नेटवर्क से जुड़े और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। पुलिस अफसरों की मानें तो यह फर्जी सिम नेटवर्क का खुलासा होने के बाद कई ऑनलाइन फ्रॉड में इन सिम काड्र्स का उपयोग होना सामने आएगा।

महिला की हत्या, हाथ तोड़े, सिर काटकर फेंका

रीवा में 3 थानों की पुलिस ने 2 घंटे में खोजा; घर के पीछे मिला था धड़

रीवा ● संवाददाता

मध्य प्रदेश के रीवा जिले में सोमवार को महिला की हत्या का मामला सामने आया। शव घर के पीछे क्षत-विक्षत हालत में मिला, सिर धड़ से अलग था। घर से थोड़ी दूरी पर सिर मिला। मामला बिछिया थाना क्षेत्र के लोही गांव का है।

मृतका की पहचान लीलावती पटेल (60) के रूप में हुई। वह घर में अकेली रहती थीं। गांव के लोगों ने उनकी बेटी को सूचना दी, जिसके बाद नीता पटेल मौके पर पहुंचीं और पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

बेटी बोली- मां का सिर काटकर ले गए आरोपी

नीता पटेल ने बताया कि उनकी मां की बेरहमी से हत्या की गई। शरीर पर कई गंभीर घाव हैं। उनका कहना है कि आरोपियों ने क्रूरता की हद पार करते हुए सिर काटकर अपने साथ ले गए। उनकी मां की किसी से

दुश्मनी नहीं थी। ऐसे में हत्या का कारण स्पष्ट नहीं है।

देवर को फोन पर मिली हत्या की सूचना

मृतक के देवर रामकिशोर पटेल ने बताया कि वह पिछले 12 साल से यहां रह रही थीं। घर का काम कर गुजर-बसर करती थीं। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे उन्हें फोन आया कि उनकी भाभी की हत्या हो गई है। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे, जहां गांववालों की भीड़ जमा थी।

औंधे मुंह पड़ा था शव, शरीर पर चोट के निशान

रामकिशोर पटेल के अनुसार, उनकी भाभी का शव घर के बाहर औंधे मुंह पड़ा था। सिर गायब था। दोनों हाथ टूटे थे। शरीर पर कई चोट के निशान थे। पुलिस ने आसपास सर्चिंग कर सिर बरामद किया। भाभी की किसी से दुश्मनी नहीं थी। पुलिस से मांग की है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाई जाए।

गेहूं के खेत में मिला कटा सिर, सर्च ऑपरेशन पूरा

सीएसपी राजीव पाठक ने बताया कि आसपास करीब दो किलोमीटर के दायरे में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। शाम तक चले ऑपरेशन के बाद गेहूं के खेत से महिला का कटा सिर बरामद किया गया। आरोपी सिर को घर से करीब 50 मीटर दूर खेत में फेंककर फरार हो गए थे। हत्या में कितने लोग शामिल थे, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हर पहलू पर जांच की जा रही है।

रसोई गैस, पेट्रोल डीजल की किल्लत, बिजली की दरों में बेतहाशा बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

सरकार की गलत नीति से महंगाई बढ़ेगी भुगतना जनता को पड़ेगा : रवि नाईक

खरगोन ● संवाददाता

सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाली भाजपा सरकार ने ऐसा विकास किया कि देश के आम आदमी को गैस सिलेंडर और पेट्रोल पंपों पर लाइन में खड़ा कर दिया। आत्म निर्भर भारत आत्म निर्भर भारत चिल्लाने वाली भाजपा के राज में ऐसा आत्म निर्भर भारत बनाया कि लोग गैस की जगह लकड़ी कंडो का उपयोग करने लगे। उक्त बातें जिला कांग्रेस कमेटी खरगोन के अध्यक्ष रवि नाईक ने बिजली की बड़ी दरों, पेट्रोल डीजल और रसोई गैस की किल्लत के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान कही उन्होंने आगे कहा कि इससे महंगाई बढ़ेगी जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ेगा।

इस दौरान एसडीएम कार्यालय में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में कहा गया कि जहां केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों से पेट्रोल डीजल गैस की किल्लत हो रही है वहीं बड़े मियां तो बड़े मियां छोटे मियां सुभान अल्लाह की तर्ज पर मप्र सरकार ने भी बिजली के दामों में भारी वृद्धि कर आम जनता पर आर्थिक बोझ डाला है। ज्ञापन में आगे कहा गया कि पहले से ही भारी बिजली बिलो से परेशान मप्र की जनता पर मोहन सरकार ने बिजली महंगी कर उसकी कमर तोड़ने का काम किया है।

महंगी बिजली, पेट्रोल डीजल और गैस की किल्लत से महंगाई बढ़ रही है एक तरफ पेट्रोल डीजल की किल्लत, महंगी गैस, महंगी बिजली आम जनता के जेब पर भारी पड़ रही है ऊपर से बढ़ती महंगाई ने जनता को कहीं का नही छोड़ा। आम आदमी को परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। सरकार की गलत नीतियों के कारण जनता परेशान हो रही है। हम कांग्रेस पार्टी की ओर से मांग करते है कि मप्र में बढ़ी हुई बिजली की दरें तुरंत वापस ली जाय तथा रसोई गैस और पेट्रोल डीजल की कमी को तत्काल दूर किया जाय अन्यथा कांग्रेस पार्टी आगे भी इस मुद्दे पर आंदोलन करती रहेगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस अध्यक्ष पप्पू दिनेश पटेल, खरगोन उत्तर के अध्यक्ष नितेश मंडलोई, खरगोन दक्षिण कांग्रेस के अध्यक्ष असलम शेख, ब्लॉक कांग्रेस ग्रामीण के अध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष निर्वाचन प्रभारी कादर बेग, जिला महासचिव संगठन जितेंद्र भावसार, जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजेश मंडलोई, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष परसराम पाटीदार, वरिष्ठ नेता डेविड ब्रेनार्ड, जिला कांग्रेस महासचिव विजय कोचले, अजा कांग्रेस प्रदेश महासचिव संजीव गांगुली, सुनील पाटिल, राजेंद्र पवार, मुकेश गोले, प्रकाश जोशी, अय्यूब खान, ओबेदुल्लाह खान,शकील खान, देवेंद्र कर्मा मंची, जमील मिर्जा, अमित ठक्कर, संतोष गाडगे, लालू भावसार, अरविंद चौधरी, विजय मंडलोई, अजय बडोले,अशोक मंडलोई, जाबिर खान, सचिन जोशी, कासम बोहरा, सुनील पाटिल, दीपक सोनी, रामचंद कुशवाहा, अजय बडोले, अमित भालसे,आलोक गुप्ता, विकास मुजाल्दे, इदरीस बोहरा,रेवाराम पाटीदार, शम्मी भाटिया, नानूराम, आदि भाटी, महेश आमोद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पराली जलाने पर प्रशासन सख्त : दंडात्मक प्रावधान लागू

भीकनगांव क्षेत्र में कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई

खरगोन ● संवाददाता

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी भव्या मित्तल द्वारा भीकनगांव क्षेत्र के भ्रमण के दौरान खेतों में पराली जलाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान में लिया गया। निरीक्षण के दौरान घटना की पुष्टि होने पर संबंधित भूमि स्वामियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक आदेश के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मित्तल द्वारा जारी आदेश के अनुसार खेतों में फसल कटाई उपरांत अवशेष (पराली) जलाना Air (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981 के तहत पूर्णतः प्रतिबंधित है। यह कृत्य पर्यावरण, जनस्वास्थ्य एवं पशु-पक्षियों के लिए अत्यंत हानिकारक है।

आदेश में उल्लेखित प्रमुख दंडात्मक प्रावधान इस प्रकार हैं-

- 02 एकड़ तक भूमि वाले कृषक द्वारा पराली जलाने पर 2500/- का अर्थदंड।
- 02 से 05 एकड़ तक भूमि वाले कृषक द्वारा पराली जलाने पर 5000/- का अर्थदंड।
- 05 एकड़ से अधिक भूमि वाले कृषक द्वारा पराली जलाने पर 15000/- का अर्थदंड।

प्रशासन द्वारा ग्राम बोरुठ में पराली जलाने की पुष्टि होने पर निम्न भूमि स्वामियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है-

- श्रवण पिता छगन, खसरा नं. 398, रकबा 1.446 हे.,
- सोमा पिता छगन, खसरा नं. 399, रकबा 2.444 हे.
- रितेश पिता कमलचंद, खसरा नं. 93, रकबा 4.553 हे.
- चेतराम पिता मुकुंद, खसरा नं. 90, रकबा 0.826 हे.
- सुशीला पति दुलीचंद, खसरा नं. 100, रकबा 0.992 हे.
- सुमनबाई बेवा गणपत एवं अजय पिता गणपत, खसरा नं. 99, रकबा 1.983 हे.

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मित्तल ने स्पष्ट किया है कि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी। साथ ही पंचायत स्तर पर सतत निगरानी, कृषि विभाग के माध्यम से जागरूकता अभियान तथा पराली प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर मित्तल ने कृषकों से अपील की है कि वे पराली न जलाएं, बल्कि कृषि विभाग द्वारा सुझाए गए पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाएं। नियमों के उल्लंघन पर जिला प्रशासन द्वारा शून्य सहनशीलता नीति के तहत कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

संगठन की ताकत कार्यकर्ताओं की कार्यशैली से होती है तय : विधायक पाटीदार

खरगोन ग्रामीण और खरगोन पश्चिम मंडल के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का समापन

खरगोन ● संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में खरगोन ग्रामीण और खरगोन पश्चिम मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सोमवार को संपन्न हुआ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 के तहत खरगोन ग्रामीण में मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र पाटीदार के संयोजन में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। पीपरी में आयोजित इस वर्ग के समापन अवसर पर विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। विधायक ने अपेक्षित कार्यकर्ताओं को अनुशासन, संगठन और समय की अहमियत पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की ताकत उसके कार्यकर्ताओं की कार्यशैली से तय होती है। उन्होंने समय की पाबंदी को

सबसे जरूरी बताते हुए कहा कि पार्टी का कोई भी कार्यक्रम, बैठक या प्रशिक्षण हो, तो कार्यकर्ताओं को कम से कम 10 मिनट पहले पहुंचना चाहिए। यही अनुशासन संगठन को मजबूत बनाता है। समापन सत्र में जिला मीडिया प्रभारी कांतिलाल कर्मा ने सोशल मीडिया, एआई, नमो एप्प और सरल एप्प के जरिये संगठन की रीति-नीति के साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के तरीकों पर चर्चा की।

इसी तरह खरगोन पश्चिम मंडल का शिविर भावसार धर्मशाला में आयोजित किया गया। इसके समापन सत्र में भाजपा महामंत्री हरेसिंह चावड़ा ने संगठन की कार्यप्रणाली, पार्टी की विचारधारा और आने वाले समय की रणनीतियों पर विस्तार से संवाद किया। इस दौरान जिला संयोजक शालिनी रतोरिया, मंडल अध्यक्ष रवि वर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रभा राठौर सहित अन्य वक्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

आज सिरवेल, भगवानपुरा और बिस्टान में शुरु होंगे प्रशिक्षण वर्ग

मीडिया प्रभारी कांतिलाल कर्मा ने बताया जिले के 28 मंडलों में भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जा रहे है। इसी कड़ी में 31 मार्च को जिले के सिरवेल महादेव, भगवानपुरा और बिस्टान मंडल में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे।

श्री हनुमान जन्मोत्सव 2 अप्रैल को...

गैस टंकी की किल्लत को देखते हुए इस भट्टी पर बनेगी भंडारे के लिए प्रसादी

कुंदा नदी तट पर प्रातः 11 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा भंडारा

खरगोन ● संवाददाता

चैत्र की पूर्णिमा पर प्रातः 6 बजे श्री संकट मोचन हनुमान जी का जन्म हुआ था। इस पर्व को सनातनियों द्वारा बड़ी धुमधाम से मनाया जाता है। इस दिन हनुमान जी के विभिन्न मंदिरों में प्रातःकाल से पूजन-अर्चन का दौर शुरू होता है, जो रात्रि तक चलता है और भंडारे आयोजित होते है। इसी कड़ी में कुंदा नदी तट स्थित प्राचीन श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में भी गुरुवार 2 अप्रैल को चैत्र पूर्णिमा पर श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। यहां प्रातःकाल मे हनुमान जी का विशेष श्रृंगार कर प्रातः 6 बजे महाआरती की जाएगी। मंदिर पुजारी अंतिम गोस्वामी ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पर प्रातः 11 बजे से भंडारा शुरू होगा, जो शाम 5 बजे तक चलेगा। इस वर्ष टंकी की किल्लत को देखते हुए 04 चूल्हे (भट्टी) तैयार किए गए है, जिस पर भंडारे के लिए प्रसादी बनेगी।

रात्रि में छप्पन भोग व सुंदरकांड

श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में इस वर्ष कुंदा नदी तट स्थित श्री संकट मोचन हनुमान जी को रात्रि में छप्पन भोग लगाकर रात्रि 9 बजे से सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। मंदिर समिति एवं महाकाल ग्रुप ने सभी श्रृद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर दर्शन लाभ लेने का आव्हान किया।

11 क्विंटल नुक्ती की प्रसादी का होगा वितरण

श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर कुंदा नदी तट स्थित प्राचीन श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में आयोजित होने वाले भंडारे में 11 क्विंटल नुक्ती की प्रसादी का वितरण होगा। मंदिर पुजारी अंतिम गोस्वामी ने बताया कि प्रसादी कि लिए मंगलवार रात्रि में 11 क्विंटल नुक्ती तैयार की जाएगी।

शक्ति और भक्ति की बहेगी बयार, 3 अप्रैल को टेमला से निकलेगी देवीशक्ति दर्शन यात्रा

एक हजार मातृशक्ति करेगी पावागढ़ और अंबाजी के साथ सांवरिया जी के दर्शन

खरगोन ● संवाददाता

पूर्व कृषि राज्यमंत्री एवं विधायक बालकृष्ण पाटीदार का गृहग्राम टेमला में धर्म की बयार बह रही है। यहां श्रीकृष्ण चैतन्य संकीर्तन मंडल द्वारा 50 वर्षों से चली आ रही हरे कृष्ण हरे कृष्ण.. महामंत्र की अखंड साधना, भक्ति, धर्म और आध्यात्मिक इतिहास रचने की दहलीज पर है। श्रीकृष्ण चैतन्य संकीर्तन मंडल 50 वर्ष की इस भक्तियात्रा को स्वर्ण जयंती महोत्सव के रुप में मना रहा है। इस महोत्सव में समूचा गांव भक्ति में रमा हुआ है। स्वर्ण जयंती महोत्सव के निमित्त 3 अप्रैल को ग्राम से विशाल देवी शक्ति यात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा में ग्राम की एक हजार से अधिक माताएं, बहनें और बालिकाएं शामिल होगी।

यात्रा युवा उद्यमी एवं सक्रिय समाजसेवी नितिन पाटीदार के संयोजन में निकाली जाएगी। श्री पाटीदार ने बताया कि शक्ति और भक्ति की इस यात्रा में मातृशक्ति जगत जननी पावागढ़

और अंबाजी दर्शन कर श्री सांवरिया सेंठ जी का आर्शीवाद भी लेंगी। भक्ति और शक्ति का यह मिलन केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि टेमला की 50 वर्षों की साधना का सामूहिक उत्सव है।

स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष यात्रा का लक्ष्य केवल शक्तिपीठों के दर्शन ही नहीं, बल्कि भक्ति के विभिन्न आयामों को समेटना है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु पावागढ़ और अंबाजी मां शक्ति के चरणों में वंदन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। सांवरिया सेठ में शक्ति उपासना के साथ-साथ चित्तौडग़ढ़ स्थित प्रसिद्ध सांवरिया जी के दर्शन कर भक्ति की धारा को पूर्णता देंगे। पाटीदार का प्रभावी मार्गदर्शन

उल्लेखनीय है कि हाल ही में ग्राम के पुरुषों की श्रीराम लला जन्मस्थली अयोध्या की पांच दिवसीय यात्रा पाटीदार के संयोजन में निकाली गई थी। नितिन पाटीदार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में लगातार दूसरी यात्रा की तैयारियां सुनिश्चित की जा रही है। अब इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित देवीशक्ति यात्रा की रुपरेखा तैयार की गई है। पाटीदार के मार्गदर्शन में ग्राम के युवाओं और संकीर्तन मंडल ने यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है।

देवी सर्वभूतेषु शक्ति.रूपेण संस्थिता के भाव के साथ शुरू हो रही यह यात्रा टेमला की आधी शताब्दी पुरानी आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है। पिछले वर्ष आयोजित भव्य सात दिवसीय कथा और अयोध्या यात्रा के बाद यह आयोजन सामाजिक समरसता और नारी शक्ति के सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश करेगा।

अवैध फायर आर्म्स तस्करी के विरुद्ध खरगोन पुलिस ने की 02 बड़ी कार्यवाही, थाना गोगावां पर आर्म्स एक्ट के तहत किए पृथक-पृथक 02 किए प्रकरण दर्ज

हरियाणा व उत्तर प्रदेश से अवैध फायर आर्म्स की खरीद फरोक्त करते आरोपियों को पुलिस ने हथियारों के जखीरे के साथ किया गिरफ्तार

खरगोन ● संवाददाता

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इंदौर अनुराग एवं उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन सिद्धार्थ बहुगुणा के द्वारा अवैध हथियारों के निर्माण, अवैध खरीदी-बिक्री एवं तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया था ।

उक्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन रविन्द्र वर्मा के निर्देशन व अति. पुलिस अधीक्षक खरगोन बिट्टू सहगल के मार्गदर्शन में जिला खरगोन के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व थाना प्रभारियों को मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर अवैध फायर आर्म्स पर पैनी निगाह रखने एवं अवैध फायर आर्म्स के नेटवर्क को चिन्हित कर उसे ध्वस्त कर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी क्रम में थाना गोगावां की पुलिस टीम के द्वारा अवैध हथियारों के परिवहन के विरुद्ध 02 पृथक-पृथक दर्ज कर कार्यवाही की गई है । थाना गोगावां पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, 02 व्यक्ति जो कि बाहर से आए हुए है उनकी सिगनूर के किसी सिकलीगर से अवैध हथियारों की डील हुई है और वो सिकलीगर थोड़ी देर के बाद लाल रंग की हिरो सुपरस्पेलन्डर मोटरसाईकिल से अवैध हथियार ले कर उन दोनों बाहर से आए व्यक्तियों को बारवा मील फाटे पर ग्राम बेहरामपुर टेमा के पास अवैध हथियारों की डिलीवरी देने के लिए जाने वाला है ।

मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी गोगावां उनि दीपक यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया एवं मुखबिर की सूचना से पुलिस टीम को अवगत करवाकर तत्काल सूचना अनुसार आरोपी की धरपकड़ हेतु रवाना किया गया । पुलिस टीम के द्वारा तत्काल ग्राम बेहरामपुर टेमा मे बारवा मील फाटे पर रोड़ के आस पास की झाड़ियो में छुप कर मुखबिर के बताए हुलिये के व्यक्तियों के आने का इंतजार किया गया ।

थोड़ी देर बाद दोनों व्यक्तियों के पास एक हिरो सुपरस्पेलन्डर मोटरसाईकिल रुकी जिस पर

बैठे व्यक्ति ने एक थैली उन दोनों को दी व जाने लगा जिन्हे तत्काल पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा । पकड़ में आए व्यक्तियों से उनका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम शीलेन्द्र इरादत नगर जिला आगरा, यादवेन्द्र जिला आगरा उत्तरप्रदेश एवं तीसरे ने अपना नाम संदीप सिकलीगर उम्र 32 साल निवासी सिगनुर का होना बताया | पुलिस टीम के द्वारा उनके पास मिली थैली को चेक करने पर उसमे 05 देशी पिस्टल व 05 देशी कट्टे मिले जिसे रखने के संबंध में तीनों से लाइसेंस या दस्तावेज का पूछने पर कोई लाइसेंस या दस्तावेज नहीं होना बताया ।

पुलिस टीम के द्वारा आरोपी शीलेन्द्र इरादत नगर जिला आगरा, यादवेन्द्र जिला आगरा उत्तरप्रदेश एवं संदीप सिकलीगर निवासी सिगनुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 05 अवैध देशी पिस्टल कीमती लगभग 1,25,000/- व 05 अवैध देशी कट्टे किमती 75,000/- रुपये एवं घटना में प्रयुक्त 01 मोटर साइकल किमती लगभग 50,000/- को नियमअनुसार विधिवत जप्त कर उसके विरुद्ध थाना गोगावां पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। गिरफ़्तारशुदा आरोपी को न्यायालय पेश किया गया है। थाना गोगावां पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, 02 व्यक्ति ग्राम सिगनूर के किसी सिकलीगर से अवैध फायर आर्म्स की डील कर घुघरियाखेडी गोगांवा फाटा तरफ निकालने वाले है । मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी गोगावां उनि दीपक यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया एवं मुखबिर की सूचना से पुलिस टीम को अवगत करवाकर तत्काल सूचना अनुसार आरोपी की धरपकड़ हेतु रवाना किया गया । पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर के बताए अनुसार ग्राम घुघरियाखेडी स्थित गोगांवा फाटे के पास आसपास बताए हुलिये के व्यक्तियों की तलाश की गई, इसी दौरान बताए गए हुलिये के दो व्यक्ति दिखाई दिए, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें पुलिस टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पकड़ में आए दोनों व्यक्तियों से उसका नाम पता पूछने पर उन्होंने अपने नाम हर्षदीप निवासी मंडी दवाली थाना सिटी जिला सिरसा हरियाणा एवं हरप्रितसिंह निवासी ग्राम फुल्लो सदर थाना टबावली जिला सिरसा हरियाणा का होना बताया । पुलिस टीम के द्वारा उनके पास मिले बैग एवं उनकी तलाशी लेने पर उनके पास कुल 05 अवैध देशी पिस्टल मिली जिसे रखने के संबंध में हर्षदीप एवं हरप्रितसिंह से लाइसेंस या दस्तावेज का पूछने पर कोई लाइसेंस या दस्तावेज नहीं होना बताया।

संपादकीय

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फ़ीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है। डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा करके दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पर्दाफाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी।

युद्धग्रस्त विश्व में महावीर की अहिंसा: शांति की एकमात्र राह

आज का विश्व एक विचित्र विरोधाभास से गुजर रहा है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और वैश्वीकरण ने मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, वहीं दूसरी ओर युद्ध, हिंसा और असहिष्णुता ने मानवता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। विश्व के अनेक क्षेत्रों में चल रहे संघर्ष, आतंकवाद, सामरिक प्रतिस्पर्धा और आंतरिक कलह यह संकेत देते हैं कि भौतिक प्रगति के बावजूद मनुष्य अभी भी मानसिक और नैतिक रूप से अस्थिर है।

लेखक - श्रमण डॉ पुष्पेंद्र

ऐसे समय में जब राष्ट्र अपनी शक्ति का प्रदर्शन हथियारों और युद्ध के माध्यम से कर रहे हैं, मानव जीवन का मूल्य कहीं पीछे छूटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह समाज, परिवार और व्यक्ति के मनोविज्ञान को भी प्रभावित करता है। हिंसा का यह वातावरण भय, असुरक्षा और अविश्वास को जन्म देता है, जिससे शांति और सह-अस्तित्व की संभावनाएं क्षीण हो जाती हैं।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि हिंसा कभी भी स्थायी समाधान नहीं दे सकती। युद्ध भले ही किसी समस्या का तात्कालिक समाधान प्रतीत हो, लेकिन वह दीर्घकाल में और अधिक संघर्षों को जन्म देता है। आज आवश्यकता है एक ऐसे दृष्टिकोण की, जो केवल शक्ति और प्रभुत्व पर नहीं, बल्कि संवेदना, सह-अस्तित्व और नैतिकता पर आधारित हो।

यहीं पर तीर्थंकर भगवान महावीर के अहिंसा के सिद्धांत की प्रासंगिकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भगवान महावीर ने अहिंसा को केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे विचार, वचन और कर्म—तीनों स्तरों पर लागू किया। उनके अनुसार किसी भी प्राणी को पीड़ा पहुंचाना हिंसा है, चाहे वह प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष।

प्रभु महावीर का अहिंसा का सिद्धांत आज के युद्धग्रस्त विश्व के लिए एक नैतिक दिशा प्रदान करता है। यदि हम उनके विचारों को गहराई से समझें, तो यह स्पष्ट होता है कि युद्ध की जड़ें बाहरी परिस्थितियों में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर उत्पन्न होने वाले राग, द्वेष, अहंकार और लालच में निहित हैं। जब तक इन मानसिक प्रवृत्तियों पर नियंत्रण नहीं किया जाएगा, तब तक बाहरी शांति स्थापित नहीं हो सकती।

आज के समय में हिंसा केवल युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है। यह हमारे दैनिक जीवन में भी विभिन्न रूपों में उपस्थित है—विचारों की कट्टरता, शब्दों की कठोरता, सामाजिक विभाजन और डिजिटल माध्यमों पर फैलती नफरत के रूप में। महावीर का संदेश हमें यह सिखाता है कि वास्तविक अहिंसा का पालन तभी संभव है, जब हम अपने भीतर की नकारात्मकता को पहचानकर उसे नियंत्रित करें।

विशेष रूप से वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में, जहां राष्ट्रों के बीच अविश्वास और प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है, ऐसे वक्त पर तीर्थंकर महावीर का "जियो और जीने दो" का सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक है। यह सिद्धांत केवल व्यक्तिगत जीवन के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक नीतियों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है। यदि राष्ट्र एक-दूसरे के अस्तित्व, संप्रभुता और हितों का सम्मान करें, तो संघर्ष की संभावनाएं स्वतः कम हो सकती हैं।

इसके साथ ही, महावीर का अपरिग्रह का सिद्धांत भी वर्तमान युद्ध और हिंसा के मूल कारणों को समझने में सहायक है। संसाधनों की अंधाधुंध होड़, विस्तारवादी नीतियां और आर्थिक लालसा ही कई संघर्षों का आधार हैं। यदि सीमित इच्छाओं और संतुलित उपभोग को अपनाया जाए, तो न केवल सामाजिक असमानताएं कम होंगी, बल्कि युद्ध के कारण भी कमजोर पड़ेंगे।

महावीर द्वारा प्रतिपादित रत्नत्रय—सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र—आज के समय में एक समग्र समाधान प्रस्तुत करता है। सम्यक दर्शन हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर वस्तुस्थिति को समझने की प्रेरणा देता है। सम्यक ज्ञान हमें सत्य और असत्य में भेद करने की क्षमता प्रदान करता है, जिससे हम गलत सूचनाओं और भ्रामक विचारों से बच सकते हैं। और सम्यक चरित्र इन दोनों का व्यावहारिक रूप है, जो हमारे आचरण को नैतिक और संतुलित बनाता है।

अतः यह स्पष्ट है कि वर्तमान समय में जब विश्व हिंसा और युद्ध की आग में झुलस रहा है, भगवान महावीर का अहिंसा का सिद्धांत केवल एक आध्यात्मिक आदर्श नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक आवश्यकता बन चुका है। यदि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र इस सिद्धांत को अपने जीवन और नीतियों में स्थान दें, तो न केवल संघर्षों को कम किया जा सकता है, बल्कि एक स्थायी और समरस विश्व की स्थापना भी संभव है।

अंततः, शांति किसी बाहरी व्यवस्था का परिणाम नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना का प्रतिबिंब है। जब मनुष्य अपने भीतर अहिंसा, करुणा और संतुलन को विकसित करेगा, तभी वह बाहरी दुनिया में भी शांति स्थापित कर सकेगा। यही तीर्थंकर महावीर का संदेश है—और यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आज फिर महावीर की ज़रूरत

आज जिस तरह से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है और खून-खराबा हो रहा है, उससे आज फिर महावीर स्वामी की जरूरत आन पड़ी है। उनके जिओ और जीने दो का संदेश आज फिर प्रासंगिक है। भगवान महावीर का जीवन करीब ढाई हजार साल से पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ा रहा है। पंचशील सिद्धान्त के प्रर्वतक और जैन धर्म के चैबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रमुख ध्वेजवाहकों में हैं।

लेखक - मुस्ताअली बोहरा

जैन ग्रंथों के अनुसार 23वें तीर्थंकर पाश्र्वनाथ जी के मोक्ष प्राप्ति के बाद 298 वर्ष बाद महावीर स्वामी का जन्म ऐसे युग में हुआ जहां पशु बलि, हिंसा और जाति-पाति का भेदभाव, अन्य अंधविश्वास और कुरीतियां थी। महावीर स्वामी ने दुनिया को ये बताया कि धर्म दिखावे की वस्तु नहीं है। धर्म कहीं बाहर नहीं बल्कि अंतरात्मा में होता है। भगवान महावीर सिर्फ जैनियों के ही नहीं हैं बल्कि जन-जन के हैं। भगवान महावीर की जयंती जन्म कल्याणक पर्व के रूप में मनाई जाती है। महावीर जन्म कल्याणक हर वर्ष चैत्र माह के 13 वें दिन मनाया जाता है।

हालांकि, महावीर स्वामी के जीवन को लेकर श्वेताम्बर और दिगम्बर जैनियों में कई तरह के अलग-अलग तथ्य हैं। महावीर या वर्धमान जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान ऋषभनाथ की परम्परा में 24वें जैन तीर्थंकर थे। वे अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। बचपन में महावीर का नाम वर्धमान था। बाल्यकाल से ही यह साहसी, तेजस्वी, ज्ञान पिपासु और अत्यंत बलशाली होने के कारण महावीर कहलाए। भगवान महावीर ने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया था, जिस कारण इन्हें जीतेंद्र भी कहा जाता है। महावीर स्वामी को और भी नामों से जाना जाता है जैसे अर्हत, जिन, निर्ग्रंथ, महावीर, अतिवीर आदि। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा।

महावीर स्वामी का जन्म 599 ई.पू. (कुछ विद्वानों के अनुसार 540 ई.पू.) चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन बिहार राज्य के वैशाली के

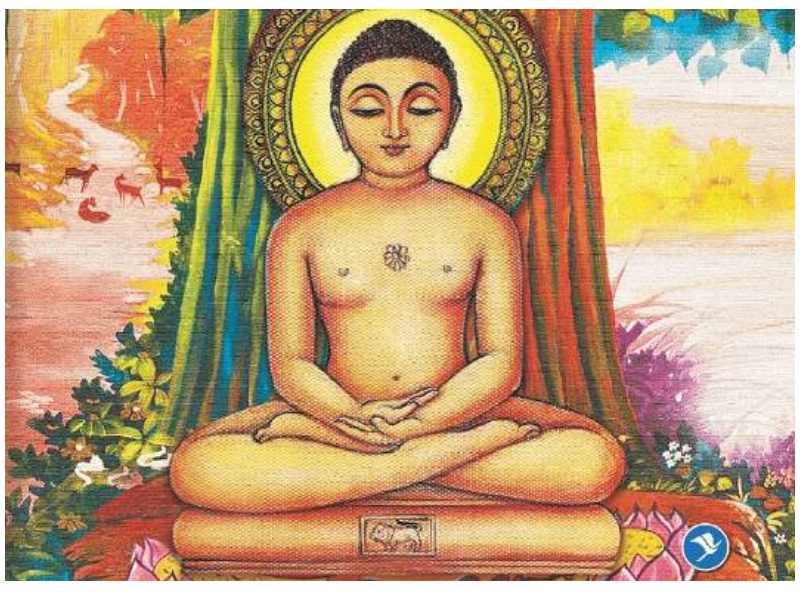

अन्तर्गत कुण्डग्राम नामक गाँव में हुआ था। भगवान महावीर की माता महारानी त्रिशला और पिता महाराज सिद्धार्थ थे। माता त्रिशला वैशाली के लिच्छवी वंश के राजा चेटक की बहिन थी। महावीर स्वामी के पिता सिद्धार्थ इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा थे। भगवान महावीर कई नामों से जाने गए उनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति, श्रमण आदि हैं। महावीर स्वामी के भाई नंदिवर्धन और बहन सुदर्शना थी। बचपन से ही महावीर तेजस्वी और साहसी थे। शिक्षा पूरी होने के बाद इनके माता-पिता ने इनका विवाह राजकुमारी यशोदा के साथ कर दिया गया था। भगवान महावीर ने अपनी कठिन तपस्या से अपने जीवन को अनूठा बनाया। जन्म के बाद महावीर स्वामी का नाम वर्धमान रखा। कहा जाता है कि महावीर स्वामी अंतर्मुखी स्वभाव के थे, शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी, परंतु माता-पिता की इच्छा के कारण उन्होंने बसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ विवाह किया, कहीं-कहीं लिखा हुआ यह भी मिलता है कि उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया था। कुछ विद्वानों के अनुसार यशोदा कलिंग नरेश की पुत्री थीं।

जैन शास्त्रों के अनुसार वैशाली नगरी के निकट कुण्डग्राम में राजा सिद्धार्थ अपनी पत्नी प्रियकारिणी के साथ निवास करते थे। इन्द्र ने यह जानकर कि प्रियकारिणी के गर्भ से तीर्थंकर पुत्र का जन्म होने वाला है, उन्होंने प्रियकारिणी की सेवा के लिए षटकुमारिका देवियों को भेजा। प्रियकारिणी ने ऐरावत हाथी के स्वप्न देखे जिससे राजा सिद्धार्थ ने भी यही अनुमान लगाया कि तीर्थंकर का जन्म होगा। आषाढ़, शुक्ल पक्ष की षष्ठी के अवसर पर पुरुषोत्तर विमान से आकर प्राणतेन्द्र ने प्रियकारिणी के गर्भ में प्रवेश किया। चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को सोमवार के दिन वर्धमान का जन्म हुआ। देवताओं को इसका पूर्वाभास था। अत सबने विभिन्न प्रकार के उत्सव मनाये तथा बालक को विभिन्न नामों से विभूषित किया। इस बालक का नाम सौधर्मेन्द्र ने वर्धमान रखा तो ऋद्धिधारी मुनियों ने सन्मति रखा। संगमदेव ने उसके अपरिमित साहस की परीक्षा लेकर उसे महावीर नाम से अभिहित किया।

महावीर स्वामी के माता-पिता की मृत्यु के पश्चात उनके मन में वैराग्य लेने की इच्छा जागृत हुई परंतु जब उन्होंने इसके लिए अपने बड़े भाई से आज्ञा मांगी तो भाई ने कुछ समय रुकने का आग्रह किया। तब महावीर ने अपने भाई की आज्ञा का मान रखते हुए 2 वर्ष पश्चात 30 वर्ष की आयु में वैराग्य लिया। इतनी कम आयु में घर का त्याग कर 'केशलोच' के पश्चात जंगल में रहने लगे। महावीर स्वामी के शरीर का वर्ण सुवर्ण और चिह्न सिंह था। इनके यक्ष का नाम ब्रह्म शांति और यक्षिणी का नाम सिद्धायिका देवी था। जैन धर्मावलंबियों के अनुसार भगवान महावीर के गणधरों की कुल संख्या 11 थी, जिनमें गौतम स्वामी इनके प्रथम गणधर थे। महावीर ने मार्गशीर्ष दशमी को कुंडलपुर में दीक्षा की प्राप्ति की और दीक्षा प्राप्ति के पश्चात् 2 दिन बाद खीर से इन्होंने प्रथम पारणा किया। दीक्षा प्राप्ति के बाद 12 वर्ष और 6.5 महीने तक कठोर तप करने के बाद वैशाख शुक्ल दशमी को ऋजुबालुका नदी के किनारे साल वृक्ष के नीचे भगवान महावीर को कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसके बाद उन्हें 'केवलि' नाम से जाना गया तथा उनके उपदेश चारों और फैलने लगे, बड़े-बड़े राजा महावीर स्वामी के अनुयायी बनें। उनमें से बिम्बिसार भी एक थे। 30 वर्ष तक महावीर स्वामी ने त्याग, प्रेम और अहिंसा का संदेश फैलाया और बाद में वे जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर बनें और विश्व के श्रेष्ठ तीर्थंकरों में शुमार हुए। अपनी सभी इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर लेने की वजह से वे जितेन्द्रिय या 'जिन' कहलाए। जिन से ही जैन धर्म को अपना नाम मिला। जैन धर्म के गुरुओं के अनुसार भगवान महावीर के कुल 11 गणधर थे, जिनमें गौतम स्वामी पहले गणधर थे। तीस वर्ष की आयु में महावीर स्वामी ने पूर्ण संयम के साथ श्रमण बन गए। दीक्षा लेने के बाद महावीर स्वामी ने बहुत कठिन तपस्या की और विभिन्न कठिन उपसर्गों को समता भाव से ग्रहण किया। साधना के बारहवें वर्ष में महावीर स्वामी जी मेढ़िया ग्राम से कोशम्बी आए तब उन्होंने पौष कृष्णा प्रतिपदा के दिन एक बहुत ही कठिन अभिग्रह धारण किया। इसके पश्चात साढ़े बारह वर्ष की कठिन तपस्या और साधना के बाद ऋजुबालिका नदी के किनारे महावीर स्वामी जी शाल वृक्ष के नीचे वैशाख शुक्ल दशमी के दिन केवल ज्ञान-केवल दर्शन की उपलब्धि हुई। तभी से वे महावीर या जिन कहलाए। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा। जैन धर्म में अहिंसा तथा कर्मों की पवित्रता पर विशेष बल दिया जाता है। भगवान महावीर अहिंसा और अपरिग्रह की साक्षात मूर्ति थे। वे सभी के साथ सामान भाव रखते थे और किसी को कोई भी दुःख देना नहीं चाहते थे।

'राम' के किरदार की अगली झलक जारी होगी 2 अप्रैल को

बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण में रणबीर कपूर को भगवान राम के रूप में देखने का इंतजार कर रहे फैंस के लिए अब एक बड़ी खबर सामने आई है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में लंबे समय से जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने इस बहुप्रतीक्षित फर्स्ट लुक की तारीख का खुलासा कर दिया है। नमित मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि फिल्म से 'राम के किरदार की अगली झलक 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर जारी की जाएगी। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि 'रामायण सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं से जुड़ी हुई है। इसी वजह से पूरी टीम ने इस प्रोजेक्ट पर बेहद जिम्मेदारी और समर्पण के साथ काम किया है, ताकि इसे भव्यता और वास्तविकता के साथ दर्शकों के सामने पेश किया जा सके। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यह झलक किसी साधारण रिलीज की तरह नहीं होगी, बल्कि इसे एक बड़े स्तर पर दुनिया भर के दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने फैंस के धैर्य और विश्वास के लिए उनका धन्यवाद भी किया और कहा कि कई वर्षों की मेहनत को अब एक भव्य लॉन्च के जरिए साझा किया जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं और इसमें कई बड़े सितारे अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। साई पल्लवी सीता के किरदार में दिखाई देंगी, जबकि यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में अमिताभ बच्चन और लारा दत्ता भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। मालूम हो कि फिल्म 'रामायण को बड़े बजट और भव्य स्तर पर तैयार किया जा रहा है, जिससे यह भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बन सकती है।

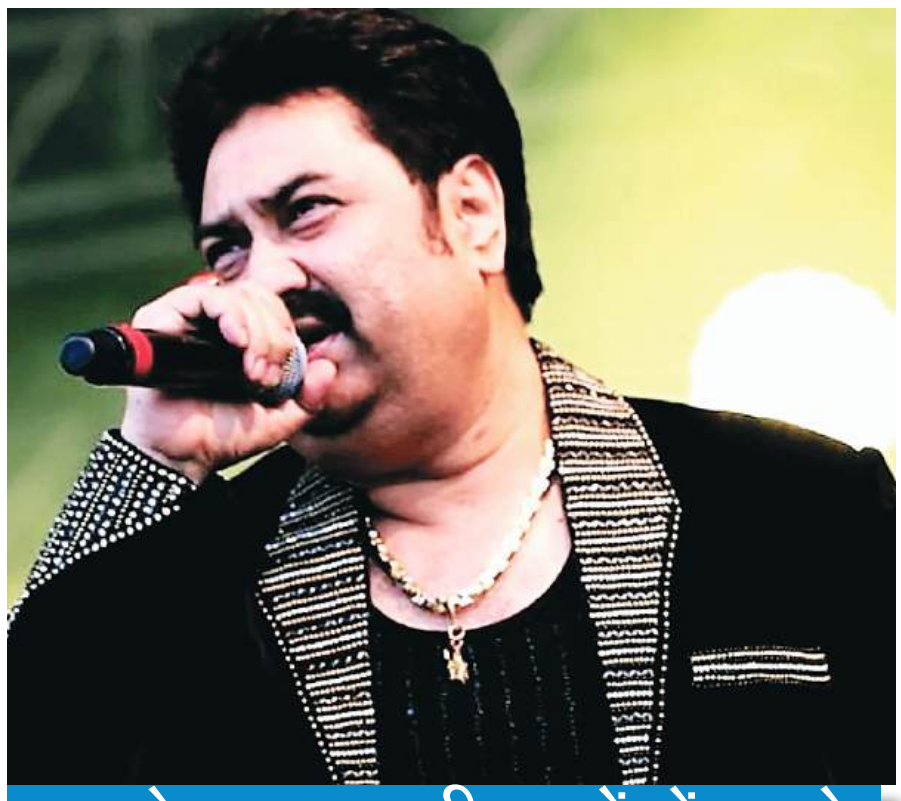

90 के दशक की यादों में डूबते नजर आए कुमार सानू

मशहूर गायक कुमार सानू एक बार फिर अपने पुराने दिनों की यादों में डूबते नजर आए हैं। कुमार सानू ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने 90 के दशक के डुएट सॉन्ग 'मस्ती भरा है ये समा की रिकॉर्डिंग की झलक दिखाई। यह गाना फिल्म दिल है कि मानता नहीं से जुड़ा है, जो आज भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। इस वीडियो के साथ गायक ने उस दौर की यादों को भी साझा किया, जिसने उनके करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कुमार सानू ने लिखा कि 90 के दशक में उन्होंने कई गानों की रिकॉर्डिंग की थी, जिनकी पुरानी टेप्स आज भी स्टूडियो में सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि हर गाने के साथ एक खास भावना और याद जुड़ी होती है, जो आज भी उनके दिल के बेहद करीब है। इस गाने को सुनते ही वह सीधे उस समय के रिकॉर्डिंग सेशन में पहुंच जाते हैं, जहां संगीत, जुनून और यादगार लोगों का संगम होता था। उन्होंने उस दौर को याद करते हुए कहा कि रिकॉर्डिंग के दौरान का माहौल बेहद जीवंत और मस्ती से भरा हुआ करता था। साथ ही उन्होंने संगीत जगत के दिग्गज गुलशन कुमार को भी याद किया। सानू ने कहा कि गुलशन कुमार की दूरदर्शिता और संगीत के प्रति समर्पण ने कई शानदार गीतों को जन्म दिया और उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। इसके अलावा उन्होंने किशन कुमार और भूषण कुमार के साथ बिताए पलों को भी खास बताया। इस फिल्म का निर्देशन महेश भट्ट ने किया था, जबकि इस गीत को अनुराधा पौडवाल और कुमार सानू ने अपनी आवाज दी थी। गाने के बोल समीर ने लिखे थे और संगीत नदीम-श्रवण ने तैयार किया था। अंत में कुमार सानू ने भावुक अंदाज में लिखा कि कुछ गाने पूरी दुनिया के लिए बनते हैं, जबकि कुछ खास पलों के लिए। गौरतलब है कि 'मस्ती भरा है ये समा फिल्म का अनरिलीज्ड सॉन्ग है, लेकिन इसकी रिकॉर्डिंग से जुड़ी झलकियां आज भी सोशल मीडिया पर लोगों को उस दौर की याद दिलाती हैं। हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर के गाने आज भी श्रोताओं के दिलों में खास जगह रखते हैं। 90 के दशक का संगीत ऐसा था, जिसे एक बार सुनने के बाद लोग बार-बार गुनगुनाते थे।

मोहित सूरी की बातें सुन भावुक हुए महेश भट्ट, लिखा ये संदेश

बॉलीवुड के प्रतिष्ठित भट्ट परिवार से ताल्लुक रखने वाले मशहूर निर्देशक मोहित सूरी एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में मोहित सूरी ने अपनी कजिन पूजा भट्ट के पॉडकास्ट में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने अपने जीवन, करियर और निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। इस बातचीत में हंसी-मजाक के साथ-साथ कई ऐसे पल भी आए, जिन्होंने भावनात्मक रूप से गहरा असर छोड़ा। इस पूरे पॉडकास्ट को सुनने के बाद दिग्गज फिल्ममेकर महेश भट्ट खुद को भावुक होने से रोक नहीं पाए। मोहित की इस बातचीत से प्रभावित होकर महेश भट्ट ने उनके नाम एक खास नोट लिखा, जिसे पूजा भट्ट ने अपने सोशल मीडिया पर साझा किया। अपने संदेश में महेश भट्ट ने मोहित की तारीफ करते हुए लिखा कि उनकी बातचीत ने उन्हें भीतर तक छू लिया। उन्होंने कहा कि इस संवाद में जहां एक ओर खुशी, मस्ती और चमक थी, वहीं इसके पीछे छिपा दर्द, यादें और संघर्ष भी साफ झलक रहे थे। महेश भट्ट ने

अपने नोट में आगे लिखा कि कुछ भावनाएं ऐसी होती हैं, जिन्हें दिल बिना चाहे भी महसूस कर लेता है। उन्होंने मोहित की अब तक की यात्रा को सराहते हुए कहा कि उन्हें बिना शोर-शराबे के अपनी पहचान बनाते और ऊंचाइयों तक पहुंचते देखना उनके लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। उन्होंने जीवन के दर्शन पर बात करते हुए कहा कि हम किसी एक कहानी के केंद्र नहीं होते, बल्कि जिंदगी ही एक बड़ी कहानी होती है, जिसमें हम सभी सिर्फ एक-एक किरदार की तरह अपने हिस्से का योगदान देते हैं। महेश भट्ट ने अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा कि उन्होंने अपने समय में अपना सफर तय किया और अब वही चमक मोहित के हिस्से में है। अपने संदेश के अंत में उन्होंने मोहित को प्रेरित करते हुए कहा कि वह उसी सच्चाई और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ते रहें, क्योंकि जिंदगी का यही सिलसिला है एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक रोशनी का आगे बढ़ना।

बेटे के साथ छुट्टियां बिताने पर जीनत अमान को मिला सुकून

70 और 80 के दशक में 'मॉडर्न हीरोइन की परिभाषा बदलने वाली मशहूर अभिनेत्री जीनत अमान आज भी अपने अंदाज और विचारों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक बार फिर जीनत अमान ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस का दिल जीत लिया है। हाल ही में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह सुकून भरे पलों का आनंद लेती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक भावुक संदेश भी लिखा, जिसमें उन्होंने मां और बच्चों के रिश्ते को लेकर दिल की बात कही। जीनत अमान ने सवाल किया कि क्या वह अकेली ऐसी मां हैं, जिन्हें यह शिकायत रहती है कि उनके बड़े बच्चे उनके साथ पर्याप्त समय नहीं बिताते। उन्होंने आगे लिखा कि उन्हें लग रहा था कि उनकी यह शिकायत शायद कोई नहीं सुन रहा, लेकिन उनकी सोच गलत साबित हुई। इस महीने की शुरुआत में उनके छोटे बेटे ने उनके लिए गोवा में खास मां-बेटे की छुट्टी प्लान की। अपने पोस्ट में उन्होंने अन्य माता-पिता और बच्चों के लिए भी खास संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगर आपके बच्चे बड़े हो चुके हैं और व्यस्त रहते हैं, तो उनसे समय मांगने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। वहीं, बच्चों को भी यह समझना चाहिए कि माता-पिता हमेशा साथ नहीं रहते, इसलिए उनके साथ बिताया गया समय बेहद कीमती होता है। अभिनेत्री ने अपनी इस यादगार छुट्टी के लिए 'एल्सव्हेयर गोवा की टीम और डेंजिल का आभार भी जताया, जिन्होंने इस अनुभव को और खास बना दिया। उन्होंने बताया कि वह अब भी उस छुट्टी के सुकून भरे एहसास में डूबी हुई हैं। अंत में जीनत अमान ने अपने फैंस से अपील की कि वे भी अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर अपने माता-पिता के साथ कुछ खास पल जरूर बिताएं, क्योंकि यही पल जिंदगी की सबसे खूबसूरत यादें बनते हैं। इस ट्रिप ने उन्हें मानसिक शांति और सुकून का एहसास कराया। जीनत ने इसे वैसी ही शांत, निजी और आरामदायक छुट्टी बताया, जिसकी उन्हें लंबे समय से जरूरत थी।

शादी को खास बनाने वाली महिलाओं का विजय ने जताया आभार

साउथ के सुपर स्टार विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की शादी के बाद यह जोड़ी लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। विजय देवरकोंडा ने शादी के करीब एक महीने बाद उन महिलाओं के प्रति आभार जताया है, जिन्होंने उनकी शादी को खास और यादगार बनाने में अहम भूमिका निभाई। सोशल मीडिया पर अभिनेता ने एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपनी करीबी दोस्त ऐश्वर्या, ज्वेलरी डिजाइनर अर्पिता और वेडिंग प्लानर प्रिया का दिल से धन्यवाद किया।

विजय ने सबसे पहले अपनी दोस्त ऐश्वर्या को याद करते हुए लिखा कि शादी के फैसले के शुरुआती पल से ही वह हर कदम पर उनके साथ खड़ी रहीं। उन्होंने बताया कि ऐश्वर्या ने वेडिंग से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी को संभाला, जिसमें लोकेशन चुनना, खाने का चयन, कपड़ों की खरीदारी, गहनों की डिजाइन, निमंत्रण पत्र, सजावट और यात्रा जैसी तमाम तैयारियां शामिल थीं। विजय ने अपनी दोस्त के प्रति आभार जताने के लिए एक अनोखा तरीका भी अपनाया। उन्होंने खुलासा किया कि रिसेप्शन में उन्होंने जो एक्सेसरीज़ पहनी थीं, वे ऐश्वर्या की ही थीं। खास तौर पर उन्होंने ऐश्वर्या की पायल को गले का हार और कंगन के रूप में पहनकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं, ताकि इस खास रिश्ते की याद हमेशा उनके साथ रहे। इसके अलावा विजय ने ज्वेलरी डिजाइनर अर्पिता की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अर्पिता ने उनकी कल्पनाओं को खूबसूरत डिजाइन में ढाला। अभिनेता के मुताबिक, उन्होंने जो भी डिजाइन सोचे, अर्पिता ने उन्हें वास्तविक रूप दिया और कभी 'असंभव शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। विजय ने कहा कि उनके बनाए गए स्केच उनकी कल्पना से भी ज्यादा शानदार और कलात्मक थे। वहीं वेडिंग प्लानर प्रिया के काम की सराहना करते हुए विजय ने कहा कि उनके बिना यह शादी इतनी शानदार तरीके से संभव नहीं हो पाती। उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि अब भविष्य में परिवार के सभी बड़े आयोजनों की जिम्मेदारी भी प्रिया ही संभालेंगी। विजय देवरकोंडा का यह पोस्ट न सिर्फ उनके विनम्र स्वभाव को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वह अपने करीबियों के योगदान को कितनी अहमियत देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादाछक्के लगाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं। इस पारी के दौरान ही रोहित ने केकेआर के खिलाफ अपने 1100 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही केकेआर के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले मुम्बई के खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 50वीं बार 50 से अधिक स्कोर बनाया। इसके साथ वह ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने।

सैम करन बोले, कोच मैक्कुलम से उनका हुआ था टकराव

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉब की के रवैये पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। हाल ही में लियाम लिविंगस्टोन और जॉनी बेयरस्टो ने इन दोनो की नीतियों पर सवाल उठाये थे। वहीं अब ऑलराउंडर सैम करन ने कहा है कि एक बार टीम से बाहर किये जाने पर उनका कोच से टकराव तक हो गया था। काउंटी क्रिकेट सत्र के ठीक पहले करन के आये इस बयान से साफ है कि इंग्लैंड की टीम से बाहर किए गए खिलाडि ों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता है।करन ने कहा कि इसी कारण एक बार उन्होंने गुस्से में कोच से पूछ लिया कि उन्हें टेस्ट टीम से इतने लंबे समय तक बाहर क्यों रखा गया। करन एक साल से अधिक समय तक सीमित ओवर टीम से भी बाहर रहे थे। करन ने कहा, मुझे लगता है कि यह उन चीजों में से एक है। मैं टीम से बाहर था और बस मैंने कोच से पूछा कि मुझे क्या करना है तब उन्होंने कहा कि जाओ कुछ रन बनाओ और कुछ विकेट लो। इसके बाद मैंने वही किया और इससे मुझे टीम में वापसी का अवसर मिला। मैंने इस प्रकार सही दिशा में पहल की। गौरतलब है कि कि सैम इंग्लैंड की टी20 विश्व कप की टीम में भी शामिल थे। यहां उन्होंने नेपाल के खिलाफ टीम को जीत भी दिलाई थी। पिछले सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 3 बार सबसे अधिक रन बनाये हैं। करन चोटिल होने के कारण इस बार आईपीएल से बाहर हैं।

परिवार के दबाव में संन्यास लेते हैं खिलाड़ी : योगराज

चंडीगढ़। पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह अपने बयानों के कारण हमेशा ही विवादों में घिरे रहते हैं। अब योगराज का कहना है कि अधिकतर खिलाडियों को इसलिए संन्यास लेना पड़ता है क्योंकि उनपर परिवार का दबाव होता है। योगराज ने साफ कहा कि उम्र को खिलाड़ी के प्रदर्शन से जोड ा गलत है। उनके अनुसार फिटनेस और प्रदर्शन के आधार पर ही किसी खिलाड़ी को आंकना चाहिये ना कि उम्र के आधार पर।योगराज ने कहा कि, भारत में लोग 40 की उम्र होते ही अपने को बूढ़ा मानने लगते हैं, वहीं महिलाएं 30 के बाद कहती हैं कि अब हम फिट नहीं रह सकते, बच्चे बड़े हो गए हैं इसलिए खेलना अब छोड़ दो पर मेरा मानना है कि खेल को उम्र से जोड ा सही नहीं है। योगराज ने कहा कि, अक्सर घर की महिलाएं, पत्नियां आपको समझाने लगती हैं कि अब रिटायर हो जाओ, परिवार और बच्चों पर ध्यान दो जबकि मेरा मानना है कि खिलाड़ी और उसके करियर के बीच किसी को बाधक नहीं बनना चाहिए। एक खिलाड़ी जब तक फिट है खेल सकता है। योगराज ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी अभी खेलते रहना चाहिये क्योंकि अभी दोनो फिट है और इनके अंदार काफी क्रिकेट बचा हुआ है। इसलिए दोनो को ही मैदान में जमे रहकर दिखाना चाहिये कि वह दोनो अभी भी शीर्ष पर हैं।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

मुल्लांपुर ● एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच से दोनो ही टीमें अपने अभियान को शुरु रही हैं और ऐसे में दोनो का ही प्रयास जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर संभालेंगे। पंजाब की टीम पिछली बार श्रेयस की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच थी, ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में शुभमन इस बार टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करेंगे। शुभमन का लक्ष्य बेहतर बल्लेबाजी कर ये दिखाना भी रहेगा कि वह टी20 में भी एक अच्छे बल्लेबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से दोनो ही टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं। पिछले सत्र में पंजाब जीती थी और इस बार गुजरात उस हार का बदला लेना चाहेगी। पंजाब को इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पंजाब की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और निहाल वढ़ेरा पर रहेगी। वहीं गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल के अलावा साइ सुदर्शन, जोस बटलर पर आधारित रहेगी। गुजरात ने इस बार अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर के अलावा टॉम बैंटन, ल्यूक वुड जैसे खिलाडियों को भी टीम में शामिल किया। जिसका उसे कितना लाभ मिलता है ये देखना होगा। उसके पास राशिद खान जैसे स्टार स्पिनर भी हैं। 18 करोड़ रुपये और गिल को 16.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। शुभमन गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे। वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे। दूसरी ओर पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाए थे। पंजाब का मजबूत पक्ष सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।। वहीं मध्यक्रम में उसके पास निहाल वढेरा, शशांक सिंह और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन के पास रहेगी। पंजाब ने कूपर कोनोली को ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल किया था पर वह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे, जिससे टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाज खिलाना पड़ सकता है। इससे टीम का बल्लेबाजी गेंदबाजी संतुलन बाधित हो सकता है जिससे टीम किस प्रकार निपटती है ये देखना होगा।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू , पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्य, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वॉशिंगटन सुंदर , मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया, राशिद खान।

आईपीएल में सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज है ऋषभ

ईशान छठवें स्थान पर आये

मुंबई ● एजेंसी

आईपीएल में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं। उन्होंने 2080 गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाए हैं। ऋषभ अभी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान हैं और इस सत्र में उनके प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में सूची में दूसरे नंबर पर पूर्व ऑलराउंडर युसूफ पठान हैं। पठान ने 2082 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूची में तीसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव का नाम है। यादव ने 2130 गेंदों का सामना करते हुए आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए हैं। इस सूची में चौथे स्थान पर पूर्व बल्लेबाज और सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने 2135 गेंदों में 3000 रन बनाए हैं। रैना के बाद इस सूची में महेंद्र सिंह धोनी का नाम है। धोनी इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 2152 गेंदों में 3000 रन बनाने का कारनामा किया है। वहीं स सूची में अब 6वें नंबर पर ईशान किशन का नाम आ गया है और उन्होंने 2180 गेंदों में अपने तीन हजार रन पूरे किए हैं। लोकेश राहुल सूची में 7वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 2203 गेंदों में 3000 रन बनाए थे। सनराजइर्स हैदराबाद की कप्तान संभाल रहे ईशान किशन ने आईपीएल के इस सत्र के पहले ही मैच में अपने इरादे जता दिये हैं। ईशान ने पहले ही मैच में 8 चौकों और 5 छक्कों की सहायता से 80 रन बनाकर किशन का स्ट्राइट रेट 210 से ज्यादा का रहा। इस धमाकेदार पारी के साथ ईशान ने 2180 गेंदों पर अपने 3000 रन पूरे किये। ईशान के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 2016 में अपना आईपीएल डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह लगातार आगे बढ़त रहे हैं। उन्होंने ने अब तक कुल 120 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसकी 113 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 29.6 की औसत और 138.90 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 3078 रन बनाए हैं।

अब अमेरिका में मेजर लीग में खेलेंगे अश्विन

चेन्नई ● एजेंसी

दिग्गज पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब अमेरिका में मेजर लीग (एमएलसी) टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेंगे। अश्विन ने इस लीग में खेलने के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स फ्रैंचाइजी से करार किया है। इसके साथ ही अश्विन अमेरिकी लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। अश्विन ने दिसंबर 2024 में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद पिछले साल वह आईपीएल में सीएसके की ओर से उतरे थे पर उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। ऐसे में लीग के बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसी कारण अब वह विदेशी लीग की ओर मुड़े हैं। वह पहली बार आईपीएल के अलावा किसी विदेशी टी-20 लीग में खेलते दिखेंगे। ये पहली बार होगा जब वह आईपीएल के अलावा किसी लीग में खेलते दिखेंगे। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर के साथ करार किया था पर तब फिट नहीं होने के कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था। अश्विन की टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। साल 2024 में वे फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन वॉशिंगटन फ्रीडम से हार गए थे। ऐसे में टीम को अब उम्मीद रहेगी कि अश्विन के आने से उसे जीत मिलेगी। वहीं अश्विन भी इस लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इस लीग से अमेरिका में क्रिकेट का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा,हाल ही में मैंने डलास में एक प्रदर्शनी मैच खेला था। वहां एशियाई मूल के लोगों का क्रिकेट के प्रति जुनून देखकर मुझे आश्चर्य हुआ था। वहां क्रिकेट की काफी संभावनाएं हैं। साथ ही कहा कि अमेरिका में रह रहे लोग और खासकर बच्चे जिस तरह से इस खेल के प्रति प्यार दिखा रहे हैं, उसे करीब से अनुभव करने के लिए मैं इस लीग में खेलने जा रहा हूं। साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में क्रिकेट भी शामिल किया गया है। उससे भी अमेरिका में क्रिकेट के प्रति आकर्षण बढ़ा है। ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट की 128 साल बाद वापसी होने जा रही है। इसी को देखते हुए भी क्रिकेट अमेरिका इस अवसर को भुनाना चाहता है। इसी को देखते हुए एलएलसी के मुख्य कार्यकारी जॉनी ग्रेव ने कहा, अश्विन जैसे खिलाड़ी का हमारे साथ जुडऩा यह बताता है कि पिछले तीन सालों में हमारी लीग कितनी आगे बढ़ी है। अब अमेरिका में लोग क्रिकेट के बारे में जानने लगे हैं। एमएलसी भारती की आईपीएल से भी जुड़ी है। इस लीग की 6 में से 3 टीमों के मालिक आईपीएल से जुड़े हैं। इसमें एमआई न्यूयॉर्क, मुम्बई इंडियंस , टेक्सास सुपर किंग्स ,सीएसके और एलए नाइट राइडर्स, केकेआर से जुड़ी है। एमएलसी का चौथा सत्र 18 जून से शुरू होगा। इसका खिताबी मुकाबला ऑकलैंड में 18 जुलाई को खेला जाएगा।

पीएसएल में गेंद से छेड़छाड़ करते पाये गये फखर जमां

शाहीन, हारिस और राउफ की भी जांच होने की संभावना

लाहौर ● एजेंसी

पाकिस्तान में पाक सुपर लीग (पीएसएल) 2026 की शुरुआत में ही विवाद हो गया है। सुपर लीग में गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद एक बार फिर हडकंप मचा हुआ है। इससे पाक क्रिकेट में व्याप्त बेइमानी की पोल एक बार फिर खुल गयी है। इस बार बल्लेबाज फखर जमां गेंद से छेड़छाड़ करते हुए पाये गये हैं जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इस मामले में फखर के अलावा कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, गेंदबाज हारिस राउफ और बल्लेबाज फखर जमां पर भी कार्रवाई होने की संभावनाएं हैं। गेंद से छेड़छाड़ का ये मामला पीएसएल के लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स मैच का है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीएसएल का छठा लीग मैच लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेला जा रहा था। इस मैच में कम रन बने थे पर अंतिम ओवर में गेंद से छेड़छाड़ शुरु हो गयी। इसमें शाहीन और राउफ के भी शामिल होने का संदेह है। फखर जब गेंद से छेड़छाड़ कर रहे थे तब कैमरे की नजरें उनपर बनीं थीं। इस मैच में लाहौर कलंदर्स को अंतिम ओवर में जीत के लिए 13 रन बनाने थे। इसी दौरान जब कप्तान शाहीन अंतिम ओवर फेंकने आए तब हारिस और फखर योजना बना रहे थे। इस दौरान एक खिलाड़ी पानी भी लेकर आया। इससे ऐसा लग रहा था कि वे अंतिम ओवर में मैच में हार से बचने की योजना बना रहे थे पर वास्तव में उनकी नजरें गेंद से छेड़छाड़ पर लगीं थीं। अंपायरों ने आसानी से इसे पकड़ा और मैच में ही 5 रन की पेनल्टी लाहौर की टीम पर लगा दी। वहीं मैच के बाद जब कप्तान शाहीन से पूछा गया तो वह साफ मुकर गये। रमीज राजा ने उनसे इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि मुझे इस बारे में नहीं पता और हम देखेंगे कि किस आधार पर आरोप लगाये जा रहे हैं।

बॉटम — टेस्ट क्रिकेट में वापसी करें

अभी विराट कोहली और बेहतर प्रदर्शन करेंगे : रायुडू

मुंबई ● एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने विराट कोहली के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अभी उनका और भी बेहतर प्रदर्शन आईपीएल में देखने को मिलेगा। रायुडू के अनुसार जिस प्रकार विराट ने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे पता चला है कि इस बार वह और भी बेहतर लय में हैं। उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ 38 गेंदों पर ही नाबाद 69 रन बना दिये। उनकी इस पारी में पांच चौके और इतने ही छक्के थे। इससे आरसीबी 15.2 ओवर में ही लक्ष्य तक पहुंची। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, पूरी पारी के दौरान विराट की बल्लेबाजी बेहतर होती गयी। इससे तय है कि जैसे-जैसे वह और जमेंगे हमें उनकी और अच्छी पारियां देखने को मिलेंगी। शुरुआत में वह कुछ परेशान पर समय के साथ उन्होंने लय हासिल कर ली। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा , हमने जो देखा है, वह तो बस एक ट्रेलर है। फिटनेस उनके लिए कभी कोई मुद्दा नहीं रही। मुझे नहीं लगता कि उन्हें अपनी शारीरिक फिटनेस, गेंद पर देर से पहुंचने, या मैदान पर धीमे पडऩे को लेकर कभी कोई परेशानी होगी। एकमात्र चीज जो उन्हें पीछे धकेल सकती है, वह है उनकी मानसिक स्थिति। मुझे नहीं लगता कि उनका करियर खत्म होने के करीब भी है। मुझे अभी भी उनमें पांच से छह साल

का बेहतरीन खेल बाकी दिखता है। मुझे लगता है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट में वापसी करनी चाहिए। वह भारतीय क्रिकेट में अब तक के सबसे बेहतरीन टेस्ट कप्तान रहे हैं, जिन्हें कम से कम मैंने तो देखा है। उन्हें वापसी करनी चाहिए; जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि उनका बाहर रहना भारतीय क्रिकेट के लिए एक नुकसान है, उन्होंने आगे कहा। अगर आप उन्हें कप्तानी सौंपते हैं, तो यह उनके लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा होगी। मुझे लगता है कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीतना उनके लिए एक शानदार चुनौती होगी। वह इतने फिट हैं कि मुझे नहीं लगता कि फिटनेस कोई चिंता का विषय हो सकता है। ' वहीं आरसीबी के पूर्व हेड कोच संजय बांगर के अनुसार, विराट की धीमी शुरुआत एक रणनीति का हिस्सा थी। उन्होंने कहा, 'अगर उनके आसपास के बल्लेबाज अपना काम तेजी से कर रहे हैं तो जरूरी नहीं कि उन्हें तुरंत आक्रामक होना पड़े क्योंकि वह किसी भी समय अपना स्ट्राइक रेट बढ़ा सकते हैं। जब जरूरत हो, वह आसानी से बाउंड्री या छक्के लगा सकते हैं। 'ऐसे में जब देवदत्त पडिक्कल आउट हुए और कप्तान रजत पाटीदार क्रीज पर आए तो उन्होंने बीच के ओवरों में ही अपनी रणनीति बदलते हुए स्पिनर्स के खिलाफ 12 गेंदों पर ही 31 रन बना दिये थे। इसके बाद पारी के अंतिम हिस्से में कोहली ने तेजी से 33 गेंदों पर अर्धशतक पूरा करने के बाद 38 गेंदों पर 69 रन बना दिये। अंतिम पांच गेंदों में 19 रन बनाकर उन्होंने पूरे सत्र के लिए अपनी इरादे जता दिये। बांगर ने कहा, 'जब कोहली को पता होता है कि मैच पूरी तरह नियंत्रण में है तो उन्हें जीत के रन बनाकर बहुत खुशी मिलती है। वहीं, टिके रहकर अपनी टीम को जीतते हुए देखना उन्हें पसंद है। यह अब उनकी आदत बन चुकी है। '

न्यूज ब्रीफ

नितिन नबीन ने दिया इस्तीफा, बांकीपुर सीट पर 20 साल का सफर हुआ खत्म

पटना। बिहार में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे को विधानसभा के स्पीकर प्रेम कुमार ने स्वीकार कर लिया है। उनके साथ ही सीएम नीतीश कुमार ने भी बिहार विधान परिषद की सदस्यता छोड़ दी है। दोनों नेता हाल ही में राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। नितिन नबीन बिहार की बांकीपुर सीट से विधायक थे। वे लगातार पांच बार इसी सीट से जीतते हैं। दो हफ्ते पहले उन्हें राज्यसभा के लिए चुना गया था। अब राज्यसभा सदस्य बनने के बाद उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। एक्स पर पोस्ट में नबीन ने लिखा- पिछले 20 साल से वे बांकीपुर को अपने स्वर्गीय पिता नबीन किशोर प्रसाद सिन्हा के सपनों के मुताबिक आगे बढ़ाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने उन पर जो भरोसा जताया उसके लिए वे हमेशा कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने कहा कि नई भूमिका में भी बांकीपुर और बिहार के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता वैसी ही बनी रहेगी। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के नेता और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने भी सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

बीजेपी ने टीएमसी पर लगाया चुनाव प्रक्रिया को 'हाईजैक' करने का आरोप

कोलकाता। देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होना हैं। इसी बीच बीजेपी ने आरोप लगाया है कि टीएमसी ने चुनाव प्रक्रिया को 'हाईजैक' कर लिया है। बीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग से मिलने दिल्ली पहुंचा और अपनी शिकायत दर्ज कराई। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने आरोप लगाया कि पश्चित बंगाल की सीएम ममता बनर्जी खुद घर-घर जाकर मतदाताओं को धमका रही हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिजिजू ने कहा कि राज्य का प्रशासनिक ढांचा भी निष्पक्ष नहीं रह गया है और वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर निचले स्तर तक का अमला टीएमसी के कैडर की तरह काम कर रहा है। उन्होंने आयोग से मांग की कि चुनाव पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाएं और पिछली बार जैसी कथित अनियमितताओं को दोहराने से रोका जाए। इस बीच चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में जांच-पड़ताल के बाद चौथी सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट जारी की है।

पेट्रोल पंपों पर भी मिलेगा केरोसिन : केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित बाधाओं को देखकर केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब राशन की दुकानों (पीडीएस) के पारंपरिक दायरे से बाहर निकलकर केरोसिन (मिट्टी का तेल) देश के चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर मिलेगा। केंद्र सरकार का यह कदम घरेलू ईंधन सुरक्षा सुनिश्चित करने और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को सुलभ बनाने की दिशा में उठाया गया है। मोदी सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला को लचीला बनाने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के कठोर नियमों में 60 दिनों की विशेष ढील दी है। इस नई नीति के तहत व्यवस्था कुछ इस प्रकार होगी। प्रत्येक जिले में राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन अधिकतम 2 पेट्रोल पंपों का चुनाव करेगा। इन्हीं पंपों के माध्यम से केरोसिन का भंडारण और वितरण किया जाएगा। इन चिह्नित पेट्रोल पंपों को अधिकतम 5,000 लीटर तक केरोसिन का स्टॉक रखने की अनुमति दी गई है। केरोसिन बांटने वाले एजेंटों और डीलरों को फिलहाल लाइसेंस लेने की अनिवार्य प्रक्रिया से छूट दी गई है। साथ ही, टैंकरों से तेल उतारने (सप्लाई) के नियमों को भी सरल बनाया गया है। यह निर्णय मुख्य रुप से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण लिया गया है। मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) में जारी युद्ध की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका है।

तमिलनाडु में बगावत की आशंका : पीएम मोदी का स्वागत करने नहीं आए भाजपा के अन्नामलाई

चेन्नई ● एजेंसी

तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी सरगर्मी के बीच रविवार को एक बेहद दिलचस्प और चर्चाओं से भरी तस्वीर सामने आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान जब दोपहर करीब 1:30 बजे कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ, तो वहां उनके स्वागत के लिए भाजपा और एआईएडीएमके के कई दिग्गज नेता मौजूद थे। हालांकि, इस औपचारिक स्वागत समारोह में प्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की गैरमौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, स्वागत करने वाले नेताओं की सूची में अन्नामलाई का नाम प्रमुखता से शामिल था, लेकिन उनके एयरपोर्ट न पहुंचने से गुटबाजी और अंदरूनी खींचतान की अटकलें तेज हो गई हैं। इस घटनाक्रम पर स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा नेता वनाथी श्रीनिवासन ने मीडिया से कहा कि अन्नामलाई का नाम निर्धारित सूची में था, लेकिन वे किन कारणों से नहीं आ सके, इसकी जानकारी उनसे ली जाएगी। उन्होंने पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाजी से इनकार करते हुए जोर दिया कि सभी नेता एकजुट हैं और उम्मीदवारों के चयन का अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत करने वालों में नैनार नागेंद्रन, एल मुरुगन और वनाथी श्रीनिवासन के साथ सहयोगी दल एआईएडीएमके के नेता एस.पी. वेलुमणि भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री यहां से हेलीकॉप्टर के जरिए चुनावी प्रचार के लिए केरल रवाना हो गए। इस मौके पर एआईएडीएमके नेता वेलुमणि ने आत्मविश्वास जताते हुए दावा किया कि उनका गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव में 210 से अधिक सीटें जीतेगा। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिजली दरों में बढ़ोतरी और कानून-व्यवस्था के मुद्दों से जनता परेशान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्य मुकाबला केवल एआईएडीएमके और डीएमके के बीच है। दूसरी ओर, मदुरै के पास पलानी में भाजपा कार्यकर्ताओं का भारी आक्रोश देखने को मिला। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन को कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। कार्यकर्ताओं की मांग थी कि पलानी विधानसभा सीट, जो वर्तमान समझौते के तहत एआईएडीएमके को दी गई है, उसे वापस भाजपा के खाते में लाया जाए। करीब आधे घंटे तक चली गहमागहमी के बाद मुरुगन ने कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि उनकी भावनाओं से शीर्ष नेतृत्व को अवगत कराया जाएगा। तमिलनाडु में गठबंधन की राजनीति और सीटों के बंटवारे को लेकर उपजा यह असंतोष आने वाले दिनों में बड़ी चुनौती बन सकता है।

डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमत को लेकर लोकसभा में हंगामा

नई दिल्ली ● एजेंसी

लोकसभा में बजट सत्र के दौरान सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमत को लेकर विपक्ष और सरकार के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए जोरदार हंगामा किया, जिस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, कि भारतीय रुपया अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वित्त मंत्री सीतारमण ने सदन में स्पष्ट किया कि देश की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत का फिस्कल डेफिसिट नियंत्रण में है और विदेशी मुद्रा भंडार भी पर्याप्त स्तर पर मौजूद है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की कृषि और मेहनतकश जनता के योगदान को कमतर आंकना उचित नहीं है। उन्होंने कहा, हमें देश और जनता की मेहनत के साथ खड़ा रहना चाहिए, न कि उसे कमजोर बताना चाहिए। इस दौरान सांसद धर्मेंद्र यादव ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात सुनता है, लेकिन रुपए की लगातार गिरावट उनकी लोकप्रियता को प्रभावित कर रही है। इस पर पलटवार करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि हाल ही में हुए एक वैश्विक सर्वे में प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में सामने आए हैं। सदन में शोर-शराबे के बीच वित्त मंत्री सीतारमण ने यह भी कहा कि जब सरकार जवाब दे रही हो, तो विपक्ष को उसे ध्यान से सुनना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों, विशेष रूप से मिडिल ईस्ट संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर बनी हुई है। वहीं, लोकसभा में सोमवार को देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लक्ष्य पर भी चर्चा प्रस्तावित है। अमित शाह पहले ही यह लक्ष्य तय कर चुके हैं कि 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त किया जाएगा।

सीएम ममता ने खुद की हत्या की आंशका जाहिर की, विपक्षी सांसदों का मिला साथ

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा खुद की हत्या होने की आशंका का विपक्ष के सांसदों ने समर्थन कर दिया है। विपक्षी सांसदों ने कहा कि कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने मुद्दे पर चिंता जाहिर कर कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ममता पहले भी कई बार राजनीतिक हिंसा से प्रभावित हो चुकी हैं, यहां तक कि वामपंथियों के खिलाफ संघर्ष के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। टीएमसी सांसद आजाद ने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष ममता से क्या चाहता है और क्या इस तरह के माहौल में उनकी सुरक्षा को खतरा नहीं है। वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव कुमार राय ने ममता के बयान का समर्थन कर कहा कि उन्होंने बहुत कम कहा है। देश में ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है, जहां लोगों को यह तक तय करने की आजादी नहीं है कि वे क्या खाएं, क्या पहनें, क्या बोलें या क्या लिखें। इस तरह के बयान खुद ही मौजूदा हालात की सच्चाई बयां करते हैं।

धर्म की बात करने वाले प्रधानमंत्री सबरीमाला विवाद पर क्यों हैं खामोश

तिरवनंतपुरम ● एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल के पतनमतिट्टा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान बीजेपी और एलडीएफ सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे देशभर में मंदिरों और धर्म की बात करते हैं, लेकिन सबरीमाला से जुड़े विवादों पर चुप्पी साध लेते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संबोधन में सबरीमाला मंदिर का मुद्दा उठाते हुए वामपंथी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने दावा किया कि मंदिर की संपत्ति और पवित्रता के साथ खिलवाड़ किया गया है। राहुल ने आरोप लगाया कि अयप्पा मंदिर के सोने को बदलकर पीतल रख दिया गया, जो श्रद्धालुओं की आस्था के साथ धोखा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और एलडीएफ के बीच कथित संबंधों को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी के प्रभाव में केरल की एलडीएफ सरकार काम कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, जो लोग बीजेपी के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन पर हमले होते हैं और उनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। उन्होंने अपने ऊपर हुए हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके खिलाफ 36 मामले दर्ज हैं, जबकि केरल के मुख्यमंत्री पर बीजेपी की ओर से कोई कार्रवाई या हमला नहीं होता। राहुल ने इसे दोनों दलों के बीच अंदरूनी गठबंधन का संकेत बताया। चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी ने यह भी कहा कि केरल की राजनीति में एक तरफ कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन है, जबकि दूसरी ओर एलडीएफ और बीजेपी एक साथ खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी राज्य में कांग्रेस को कमजोर करना चाहती है, क्योंकि वही राष्ट्रीय स्तर पर उसे चुनौती देने की क्षमता रखती है। धार्मिक भावनाओं का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि जब सबरीमाला जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल से जुड़े विवाद सामने आए, तो बीजेपी ने राज्य सरकार के खिलाफ कोई ठोस रुख क्यों नहीं अपनाया। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टी का इस मुद्दे पर मौन रहना कई सवाल खड़े करता है।

ईरान में एयर स्ट्राइक से फैल रहा जहरीला धुआं, ब्लैक रेन हो सकती है खतरनाक : संजय राउत

नई दिल्ली ● एजेंसी

राज्यसभा में सोमवार को मध्य पूर्व में चल रहे ईरान-इजरायल युद्ध का मुद्दा उठाकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने इसके गंभीर वैश्विक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अब एक महीने से अधिक समय से जारी है और इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहे हैं। शिवसेना यूबीटी नेता राउत के अनुसार, इस युद्ध के कारण ईंधन और एलपीजी जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक स्तर पर संकट गहराता जा रहा है। हालांकि उन्होंने विशेष रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर पडऩे वाले खतरों को अधिक गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में एयर स्ट्राइक के कारण ऑयल रिफाइनरी और गैस भंडारों में भीषण आग लगी है, जिससे भारी मात्रा में जहरीला धुआं वातावरण में फैल गया है। इस धुएं में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य खतरनाक रसायन शामिल हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने बताया कि वहां के लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने 'ब्लैक रेन यानी काली बारिश की घटनाओं का भी उल्लेख किया, जिसमें विषैले तत्व शामिल होते हैं। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनियों का हवाला देकर कहा कि यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रदूषण सीमाओं में बंधा नहीं रहेगा और भविष्य में भारत के पश्चिमी राज्यों—गुजरात, राजस्थान और पंजाब—पर भी असर डाल सकता है। इससे वायु गुणवत्ता खराब होने, एसिड रेन की संभावना बढऩे, फसलों के नुकसान, मिट्टी के दूषित होने और सांस संबंधी बीमारियों व कैंसर जैसी समस्याओं के बढऩे का खतरा है। संजय राउत ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जाए। साथ ही पश्चिमी राज्यों में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए और एक प्रभावी अलर्ट सिस्टम तैयार रखा जाए।

बॉटम

बासमती चावल, भैंस का मांस, फल और सब्जियां, मसाले, पर सबसे ज्यादा असर

ईरान युद्ध से भारत के 10.68 अरब डॉलर के कृषि और

नई दिल्ली ● एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष से पैदा हुए भू-राजनीतिक तनाव ने भारत के कृषि और डेयरी निर्यात पर बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। खाड़ी और मध्य पूर्व के देशों को होने वाला 10.68 अरब डॉलर का निर्यात अब लॉजिस्टिक्स बाधाओं और बढ़ती लागत के चलते दबाव में आ गया है। वहीं स्ट्रेट ऑफ हॉर्मूज के बंद होने से लौट रहे मालवाहक जहाजों के लिए सरकार विशेष राहत उपाय भी लागू कर रही है। दरअसल, मध्य पूर्व, विशेषकर गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देश जैसे यूएई, सऊदी अरब, ओमान, कुवैत, कतर और बहरीन और इसके साथ ईरान, इराक और यमन, भारतीय कृषि और डेयरी उत्पादों के प्रमुख बाजार हैं। इन देशों में भारत के कुल कृषि निर्यात का करीब 20.5 फीसदी हिस्सा जाता है। करीब एक महीने बाद भी हालात सामान्य नहीं होने से भारतीय निर्यातकों पर संकट गहराने लगा है। बासमती चावल, भैंस का मांस, ताजे फल और सब्जियां, मसाले, डेयरी उत्पादों पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। 2 मार्च को सरकार ने 'सप्लाई चेन लचीलापन' के लिए अंतर-मंत्रालयी समूह सक्रिय किया है। इसमें पोत परिवहन, पेट्रोलियम, वित्तीय सेवा, डीपीआईआईटी, सीबीआईसी, विदेश मंत्रालय और आरबीआई सहित कई एजेंसियां शामिल हैं। यह समूह नियमित समीक्षा बैठकों, दैनिक रिपोर्ट और निर्यातकों के लिए समर्पित संचार चैनल के जरिए हालात पर नजर रख रहा है। 19 मार्च को डीजीएफटी ने निर्यात जोखिम कम करने के लिए विशेष योजना शुरू की, जिसे ईसीजीसी के जरिए लागू किया जा रहा है। निर्यात दायित्व पूरा करने की समय सीमा 31 अगस्त 2026 तक बढ़ाई गई, वह भी बिना अतिरिक्त शुल्क के। सीमा शुल्क बोर्ड ने फंसे माल के लिए सरल कस्टम क्लीयरेंस, ट्रांजिट और री-एक्सपोर्ट की सुविधा दी। हॉर्मूज बंद होने से लौट रहे कार्गो के लिए बर्थिंग, ऑफलोडिंग, शिपिंग बिल रद्द करने और बैक-टू-टाउन की सुविधा दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक प्रमुख बंदरगाहों पर सातों दिन 24 घंटे नोडल अधिकारी, अतिरिक्त स्टोरेज, जल्दी खराब होने वाले सामान की प्राथमिकता और शुल्क में छूट जैसे कदम लागू किए गए। न्हावा शेवा, मुंद्रा और कांडला जैसे बंदरगाहों पर बैक-टू-टाउन सुविधा आसान की गई और कुछ मामलों में जांच व जुर्माना भी माफ किया गया। विदेश मंत्रालय वैकल्पिक समुद्री रास्ते खोज रहा है, जबकि पेट्रोलियम मंत्रालय मॉनिटरिंग से जहाजों की ट्रैकिंग कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में विकसित हो रही भू-राजनीतिक स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है, जिसमें भारत के बाहरी व्यापार, शिपिंग मार्गों और लॉजिस्टिक्स श्रृंखलाओं पर इसके प्रभाव भी शामिल हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नम्बर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)